@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 24 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 138 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पश्चिम एशिया संकट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंताजनक बताया

• हमें तैयार रहना होगा, कोरोना में भी ऐसा संकट झेल चुके, एकजुटता हमारी पहचान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह संकट भारत के लिए आर्थिक, सुरक्षा और मानवीय स्तर पर गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है। उन्होंने संसद और देश से इस मुद्दे पर एकजुट होकर प्रतिक्रिया देने का आह्वान किया, ताकि वैश्विक मंच पर भारत की स्पष्ट और मजबूत आवाज पहुंच सके।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया सैन्य संघर्ष और इसकी वजह से भारत के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की

अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकार इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विदेश मंत्री तथा पेट्रोलियम मंत्री द्वारा संसद को समय-समय पर जानकारी दी जा चुकी है। मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां से देश की बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति होती है, वहीं यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार मार्गों के लिहाज से भी अहम है। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि समुद्री जहाजों में भी बड़ी संख्या में भारतीय क्रू सदस्य कार्यरत हैं। ऐसे में इस संकट का भारत पर प्रभाव स्वाभाविक रूप से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से करीब 1000 भारतीयों को निकाला गया है, जिनमें 700 से अधिक मेडिकल छात्र शामिल हैं। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन 24 घंटे काम कर रहे हैं और प्रभावित नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर मोदी ने कहा-

कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते खतरे के बावजूद सरकार पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि भारत ने ऊर्जा आयात के स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक विविधीकृत किया है। साथ ही देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है।

पश्चिम बंगाल में 31 मार्च तक केंद्रीय बलों की 300 अतिरिक्त कंपनियां पहुंचेंगी

• केंद्रीय बलों की कुल 2,400 कंपनियां तैनात की जाएंगी।

एजेंसी

कोलकाता । विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में अतिरिक्त केंद्रीय बल पहुंच रहे हैं। चुनाव आयोग के एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि इस बार बंगाल चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की कुल 2,400 कंपनियां तैनात की जाएंगी। गौरतलब है कि इनमें से 480 केंद्रीय बल कंपनियां इसी महीने की शुरुआत में राज्य में तैनात की जा चुकी थीं। खबरों के मुताबिक, केंद्रीय बलों की 300 और कंपनियां 31 मार्च तक राज्य में पहुंच जाएंगी। इसके बाद शेष बल चरणबद्ध तरीके से पहुंचेंगे।

इस बीच, चुनाव आयोग ने इस विशाल सुरक्षा बल को कैसे और कहां तैनात किया जाए, इस संबंध में पहले ही एक बैठक कर ली है।

खबरों के मुताबिक, सोमवार को बाद में एक और बैठक होने वाली है। इस बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मनीष गर्ग करेंगे। बताया जा रहा है कि यह बैठक ऑनलाइन होगी।

उपायुक्त मनीष गर्ग के अलावा, इस बैठक में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी भी

शामिल होंगे। इसके बाद, चुनाव आयोग जिला निर्वाचन अधिकारियों (जो जिला मजिस्ट्रेट भी होते हैं) और पुलिस अधीक्षकों के साथ चुनाव सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए एक और बैठक करेगा। बताया जा रहा है कि इस बैठक में विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बंगाल में मतदान दो चरणों में होना है - 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को। चुनाव आयोग ने दोनों चरणों में हिंसक घटनाओं से बचने के लिए कई उपाय किए हैं। खबर है कि इस बार केंद्रीय बलों की कार्रवाई केवल मतदान केंद्रों तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मतदान क्षेत्र के आसपास कहीं भी कोई अप्रिय घटना होने पर केंद्रीय बलों को हस्तक्षेप करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा, यदि मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं को धमकाने या डराने-धमकाने के संबंध में विश्वसनीय आरोप सामने आते हैं, तो पुनर्निर्वाचन का आदेश दिया जा सकता है।आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मतदान में धांधली, नागरिक अशांति या मतदान केंद्रों पर जबरन कब्जा जैसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संसद में पीएम मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी ने उठाई चर्चा की मांग

• हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है: पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी के बयान पर एआईसीसी महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज ताजा हालात को लेकर देश को अवगत कराया है। उन्होंने ज्यादा नई बातें नहीं कही हैं। हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। सबके पक्ष सामने आने चाहिए। संसद में पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रणिती शिंदे ने कहा कि हमने चर्चा की मांग की थी। रूलिंग पार्टी हमें चर्चा का अवसर नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री ने पढ़कर बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बयान जमीनी स्तर से काफी डिस्कनेक्ट था। एलपीजी की कमी है। एलपीजी को लेकर कैसे डील करने वाले हैं, उसके बारे में नहीं बताया। किसानों के हजारों टन फल होर्मुज स्ट्रेट में अटके हुए हैं। किसान बड़े संकट में हैं।

नितिन नवीन 24 और 25 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे

• नवीन उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठकों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार से दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष वहां चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे, भाजपा की कोर टीमों के साथ संवाद करेंगे और समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं में मिशन की नई भावना जागृत करेंगे। नवीन उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठकों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे, जिसका उद्देश्य पार्टी की डिजिटल, सोशल मीडिया और जमीनी स्तर की पहुंच को मजबूत करना है। चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य का यह पहला दौरा है। सोमवार को भाजपा की विज्ञप्ति के अनुसार 24 मार्च 2026 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबह 09:45 बजे कोलकाता पहुंचेंगे, जहां से रणनीतिक सत्रों के मैराथन की शुरुआत होगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। 11:00 बजे हावड़ा और हुगली जोन की बैठक को संबोधित करेंगे। दोपहर साढ़े तीन बजे वे चुनावी अभियान में पार्टी की डिजिटल रीढ़ को मजबूत करने के लिए राज्य आईटी और कॉल सेंटर टीमों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके पश्चात् सायं 04:30 बजे वे राज्य सोशल मीडिया, मीडिया और नैरेटिव (विमर्श) टीमों के साथ एक बैठक करेंगे जो पार्टी के संचार और विपक्षी नैरेटिव को काटने की रणनीतियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक महत्वपूर्ण सत्र है।

विश्व टीबी दिवस 2026 पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जेपी नड्डा

• टीबी मुक्त भारत ऐप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ करेंगे

नई दिल्ली। विश्व टीबी दिवस पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा करेंगे इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीबी-मुक्त भारत के विजन के अनुरूप, टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की प्रगति को दर्शाना है। यह राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों, नवोन्मेषी रणनीतियों और मजबूत सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस अवसर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन का सघन टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को मंत्री जे पी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे और टीबी मुक्त भारत ऐप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ करेंगे। इन पहलों का लक्ष्य टीबी के मामलों की तेजी से पहचान करना, उपचार के प्रति समर्पण को बढ़ावा देना और विशेष रूप से उच्च बोझ वाले क्षेत्रों में टीबी सेवाओं की अंतिम चरण की डिलीवरी को सुदृढ़ करना है।

मेरे लिए पूरा पंजाब एक परिवार है, अगर कोई व्यक्ति कानून तोड़ता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली/पंजाब, 23 मार्च। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने गंभीर आरोप लगने के बाद अपने ही मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार करा दिया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही लालजीत भुल्लर का मंत्री पद से इस्तीफा ले लिया था और अब पुलिस को आदेश देकर उन्हें गिरफ्तार करा लिया। ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान सरकार के इस क? एक्शन की खुले दिल से सराहना करते हुए भाजपा को आइना भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि इंसाफ के लिए ''आप'' अपनी सरकार के मंत्री पर भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटती है। जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की बलि च ?ा देती है। जब हरियाणा में एडीजीपी ने आत्महत्या की तो कई लोगों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन भाजपा और उसकी सरकार दोषियों को बचाने में उतर गई। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल ही में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के एक मंत्री पर गंभीर आरोप लगे। हमारी सरकार ने बिना किसी देरी या भेदभाव के उस मंत्री के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की और उसे न सिर्फ पद

से हटाया, बल्कि गिरफ्तार भी करवाया। वहीं कुछ समय पहले हरियाणा में एक एडीजीपी ने आत्महत्या कर ली। कई लोगों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन उनकी पूरी पार्टी और सरकार दोषियों के समर्थन में उतर आई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा में यही फर्क है। जब बात इंसाफ की हो तो आम आदमी पार्टी अपनी ही सरकार के मंत्री पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटती, जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की बलि च ?ा देती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति आम आदमी पार्टी की जीरो टॉलरेंस की नीति है। अगर हमारा कोई मंत्री भी ऐसा काम करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। यह हमारा पहला केस नहीं है, इससे पहले दिल्ली में भी हमारी पार्टी ऐसे क? एक्शन लेती रही है। अगर कोई गलत करेगा और किसी ने किसी को जान देने पर मजबूर किया है, तो यह जांच का विषय है। चाहे वह हमारा मंत्री हो या संत्री, कानून सबके लिए एक जैसा है और कानून अपना काम कर रहा है। भगवंत सिंह मान ने एक्स पर कहा कि मेरे लिए पूरा पंजाब एक परिवार है। अगर पंजाब में कोई कानून तो ?ता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चाहे वह रिश्तेदार हो या प्रभावशाली व्यक्ति या फिर किसी भी पद पर हो। हमारी पार्टी किसी को संरक्षण नहीं देगी। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी कतई बर्दाश्त नहीं है।

इंडिगो एयरलाइन 24 मार्च को भी चुनिंदा उड़ानें संचालित करेगी

• कंपनी ने साथ ही उड़ानों की समय-सारिणी जारी की है

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच इंडिगो एयरलाइन 24 मार्च को भी चुनिंदा उड़ानें संचालित करेगी। एयरलाइन ने यात्रियों को अंतिम समय में संभावित परिवर्तनों के कारण हवाई अड्डों पर जाने से पहले उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी है। कंपनी ने साथ ही उड़ानों की समय-सारिणी जारी की है।

एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि मध्य पूर्व की स्थिति में लगातार हो रहे बदलावों के मद्देनजर उड़ानें तय कार्यक्रम के अनुसार ही चल रही हैं। साथ ही चेतावनी भी दी कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के कारण उड़ानों के समय में कम समय के नोटिस पर बदलाव हो सकता है। इंडिगो ने यात्रा परामर्श में बताया कि वे हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले httpÑ//bit.ly/xvpaVKQ पर अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। एयरलाइन ने कहा कि किसी भी अपडेट की जानकारी ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए उनके पंजीकृत संपर्क विवरणों पर सूचनाएं भेजी जा रही हैं। किसी भी प्रश्न या आवश्यक सहायता के लिए हमारे संपर्क केंद्र पर एक विशेष सहायता डेस्क भी उपलब्ध है। हम संबंधित अधिकारियों के समन्वय से स्थिति पर लगातार नज़र रख रहे हैं, क्योंकि हमारे हर निर्णय के मूल में सुरक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

'वनवासी' शब्द से आदिवासी पहचान कमजोर करना चाहती है केंद्र सरकार - राहुल गांधी

• आदिवासी मतलब ओरिजिनल हिंदुस्तान के जो मालिक थे।

एजेंसी

वडोदरा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी शब्द से शुरुआत करना चाहता हूं। आदिवासी शब्द का बहुत गहरा मतलब है। आदिवासी मतलब ओरिजिनल हिंदुस्तान के जो मालिक थे। अगर आप यहां दो हजार, तीन हजार साल पहले आते तो सारी जमीन आदिवासियों के हाथ में थी। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास अधिकारों और जमीन से लगातार बेदखली का इतिहास रहा है। समय के साथ आदिवासियों को उनकी भूमि से हटाया गया और अब 21वीं सदी में 'वनवासी' जैसे शब्दों से उनकी पहचान बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'वनवासी' शब्द आरएसएस और भाजपा की सोच को दर्शाता है, जबकि 'आदिवासी' शब्द इस बात को स्वीकार करता है कि जल, जंगल और जमीन पर मूल अधिकार

आदिवासी समाज का रहा है। वनवासी का मतलब आप जंगल में रहते हो, आपका क्या लेना देना? उन्होंने कहा कि वनवासी का मतलब बिरसा मुंडा जी की सोच पर हमला है। हम संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं। संविधान में हजारों साल पुरानी सोच है। भाजपा के लोग और पीएम मोदी बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं। अंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं। ज्योतिबा फूले जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं, लेकिन बिरसा मुंडा जी की जिस सोच के लिए मौत हुई, उसकी रक्षा नहीं करते हैं। इस किताब में बिरसा मुंडा जी की आवाज है।

राहुल गांधी ने कहा-

कि देश में जमीन किसकी जाती है? जब भी विकास की बात आती है, सीधा आदिवासी की जमीन छीन लेते हैं। मैं जाति जनगणना की बात करता हूं। जब मैं इसकी बात करता हूं तो आरएसएस, मोदी और भाजपा के लोग मुझ पर हमला करते हैं। पूरा देश जानता है कि देश में तकरीबन 9-10 प्रतिशत आदिवासी हैं। देश जानता है कि 15 प्रतिशत दलित हैं, 50 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग है, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं।

प्रयागराज में बड़ा हादसा: कोल्ड स्टोरेज की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत

कई लोग घायल हो गए

एजेंसी

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के फाफामऊ क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें कोल्ड स्टोरेज की इमारत तेज धमाके के साथ ढह गई। हादसा छत गिरने से हुआ, जिसमें चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। राहत और बचाव कार्य जारी है। घटना प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित चंदापुर गांव की है, जहां एक निजी कोल्ड स्टोरेज अचानक जोरदार धमाके के बाद धराशायी हो गया। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और अब तक 16 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

प्रशासन के अनुसार, यह कोल्ड स्टोरेज स्थानीय व्यवसायी अंसार अहमद का बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में संरचनात्मक लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच जिलाधिकारी स्तर पर कराई जा रही है, जबकि पुलिस भी सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। हादसे के बाद प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर यातायात बाधित हो गया, जिससे मलाक हरहर इलाके में लंबा जाम लग गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर यातायात को डायवर्ट किया गया है।

पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर गिरफ्तार

• स्वाति मालीवाल बोलीं- सीबीआई जांच से डरी सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (पीडब्ल्यूसी) के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की मौत के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई हुई है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश के बाद फतेहगढ़ साहिब पुलिस द्वारा की गई। इस गिरफ्तारी पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की प्रतिक्रिया सामने आई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्वाति मालीवाल ने लिखा, 'इतने समय से पंजाब सरकार अपने

मंत्री लालजीत भुल्लर को बचाने का प्रयास कर रही थी। आज जैसे ही संसद में गृह मंत्री ने इस केस को सीबीआई को देने की बात कही, आधे घंटे के अंदर पंजाब पुलिस ने मंत्री को अरेस्ट कर लिया।' उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब सरकार सीबीआई जांच से डर रही है। मंत्री की जांच हुई तो बहुत बड़े बड़े नाम सामने आयेंगे, भ्रष्टाचार खुलकर सामने आएगा, सब पता चल जाएगा पैसा कहां-कहां तक पहुंच रहा है। पंजाब में भ्रष्टाचार कंट्रोल से बाहर है। ये केस निष्पक्ष जाँच के लिए सीबीआई को ट्रांसफर होना चाहिए।

गौरतलब है कि गगनदीप सिंह रंधावा ने 21 मार्च को आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद से ही इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। रंधावा की मौत के पीछे पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर पर प्रताड़ना और मानसिक दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगे थे। मामले में एक अहम मोड़ तब आया जब मृतक द्वारा आत्महत्या से पहले बनाया गया एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में रंधावा ने कथित तौर पर अपनी परेशानी के लिए पूर्व मंत्री का नाम लिया था। इसके बाद परिजनों ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए भुल्लर पर उत्पीड़न, धमकी और मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगाए।

प्रयागराज हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

• मृतकों के आश्रितों को 2 लाख की सहायता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज की छत गिरने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों के लिए दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक इमारत के ढहने से हुई दुर्घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। '

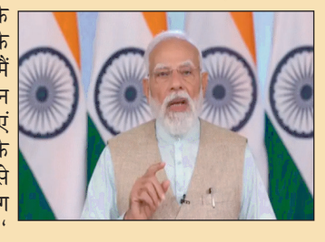

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। इस हादसे में घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। '

डीजीसीए ने जारी किया समर फ्लाइट शेड्यूल, 29 मार्च से नई समय-सारिणी लागू

24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को घरेलू एयरलाइंस के लिए गर्मियों का फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। यह नई समय-सारिणी 29 मार्च से लागू होकर 24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। डीजीसीए ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उड़ानों के समय और स्थिति की दोबारा पुष्टि कर लें। साथ ही, किसी भी ऑपरेशनल इमरजेंसी या अंतिम समय में होने वाले बदलावों की जानकारी के लिए सीधे एयरलाइंस से संपर्क बनाए रखें। इससे एक दिन पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घरेलू हवाई किराए पर लागू अस्थायी मूल्य सीमा (फेयर कैप) को हटाने की घोषणा की थी। यह फेयर कैप 23 मार्च से समाप्त कर दी गई है, जिससे एयरलाइंस को किराए तय करने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि फेयर कैप हटने के बाद यात्रियों को मांग और उपलब्धता के आधार पर टिकट कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं, एयरलाइंस कंपनियों के लिए यह कदम परिचालन और राजस्व प्रबंधन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि हर साल गर्मियों और सर्दियों के लिए अलग-अलग फ्लाइट शेड्यूल जारी किए जाते हैं, ताकि बढ़ती यात्री संख्या और मौसम संबंधी परिस्थितियों के अनुसार उड़ानों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यात्रियों के लिए सलाह है कि यात्रा की योजना बनाते समय पर्याप्त समय का ध्यान रखें और अपडेटेड शेड्यूल के अनुसार ही अपनी बुकिंग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

वायुसेना अड्डे पर तैनात कर्मचारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी

-इंटेलिजेंस टीम ने किया गिरफ्तार, यूपी का रहने वाला है आरोपी सुमित

डिब्रूगढ (एजेंसी)। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो यूपी के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का रहने वाला है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस के पद पर कार्यरत है। मीडिया रिपोर्ट में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) के मुताबिक सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह साल 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं वहां पहुंचाता था। इस मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ में सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन समेत अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी अहम जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं। इसके अलावा वह अपने मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद करता था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को राजस्थान खुफिया विभाग और वायु सेना खुफिया विभाग के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय जानकारी देता था। व्यापक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। फिलहाल, आरोपी सुमित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में व्यापक जासूसी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच एजेंसियां लगातार छानबीन कर रही हैं।

घर में सामूहिक नमाज पढ़ने पर सुनवाई, डीएम-एसएसपी कोर्ट में होंगे पेश

-हाईकोर्ट ने मामले को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए कड़ा रुख अपनाया

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बरेली के एक घर के अंदर सामूहिक नमाज पढ़ने के मामले में अहम सुनवाई होना है। इस मामले में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को कोर्ट में पेश होना है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने साफ तौर पर दोनों अधिकारियों को उपस्थित होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि अगर सोमवार को वे पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा। दरअसल, यह मामला याचिकाकर्ता तारिक खान की याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उनके घर में सामूहिक नमाज़ पढ़ने के दौरान पुलिस ने रोकटोक की और बाद में नमाज अदा कर रहे लोगों को गिरफ्तार कर लिया। याचिकाकर्ता तारिक खान का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। हाईकोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि किसी भी निजी परिसर में प्रार्थना के लिए प्रशासनिक अनुमति की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद याची और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट ने पूरे प्रकरण को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए पुलिस के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट के आदेश का पालन करना जरुरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को अदालत में पेश होने को कहा था। यदि आज दोनों अधिकारी कोर्ट में नहीं पेश होते हैं, तो कोर्ट उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी कर सकता है।

टीएमसी चुनाव कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को बना रही आधार

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने डेढ़ लाख वाट्सएप ग्रुप बनाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने के लिए खास तैयारी की है। जहां बीजेपी की केंद्रीय टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कैंपेन में जुटी है वहीं टीएमसी ने इसे स्थानीय स्तर पर हैंडल करने की योजना पर काम कर रही है। टीएमसी ने जमीन पर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक अपनी पहुंच भी बढ़ाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी ने टीम का कहना है कि वह अपने कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को आधार बना रहे हैं। यूं कहें कि टीएमसी अपने डिजिटल कैंपेन में बांग्ला अस्मिता को उभार देती दिख रही है। टीएमसी मैसेज दे रही है कि अगर बीजेपी सत्ता में आ गई तो बांग्ला विरोधी एजेंडा चलाएगे। इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए टीएमसी वाट्सऐप ग्रुप का सहारा ले रही है। इस नेटवर्क में पूरे पश्चिम बंगाल में 1.5 लाख से ज़्यादा ग्रुप और एक करोड़ से ज़्यादा लोग जोड़े गए हैं। इन ग्रुप्स में चुनावी सामग्री को तेजी से और बेहद व्यवस्थित तरीके से फैलाया जा रहा है।

पार्टी का दावा है कि अक्टूबर 2020 में लॉन्च किए गए 'दीदिर दूत यानी दीदी के दूत' मोबाइल ऐप के जरिए वह अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ लगातार सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। इस ऐप को 18 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। बताया जाता है कि इसके करीब 1.3 लाख रोजाना एक्टिव यूजर्स और करीब 7.3 लाख हर महीने एक्टिव यूजर्स हैं। यह ऐप लोगों को जोड़ने और उन्हें सक्रिय करने, दोनों तरह के काम करता है। इसमें यूज़र्स को काम सौंपे जाते हैं, उन्हें पल-पल की जानकारी मिलती है, वे इंटरैक्टिव क्विज में भाग ले सकते हैं और इसमें ऐसे गेम जैसे फीचर्स भी हैं, जिनका मकसद यूजर्स को चुनाव प्रचार से जुड़ी गतिविधियों में लगातार जोड़े रखना है।

टीएमसी की आईटी सेल के प्रमुख देबांशु भट्टाचार्य ने कहा कि हमारी रणनीति सीधी-सादी है। हम सच बोल रहे हैं, जबकि बीजेपी झूठ फैला रही है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जमीन पर भी और इंटरनेट पर भी, हर जगह सक्रिय हैं। सड़कों से लेकर इंटरनेट तक।' उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाने वाले बीजेपी के डिजिटल अभियानों का एक बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों की तरफ से चलाया जाता है जो राज्य के बाहर रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठनात्मक स्तर से परे, टीमएसी के अंदरूनी सूत्रों ने इस अभियान के भावनात्मक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने उन बातों की ओर इशारा किया, जिन्हें बीजेपी की ओर से बंगाल को नकारात्मक रोशनी में दिखाने की बार-बार की जाने वाली कोशिशें बताते हैं, जिसमें राजनीतिक भाषणों में 'घुसपैठिया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि टीएमसी, गरिमा, पहचान और बंगाली अस्मिता से जुड़े सवालों को सामने लाकर इसका जवाब देना चाहती है और इस चुनाव को सिर्फ़ राजनीतिक सत्ता के लिए एक मुकाबले से कहीं ज़्यादा के तौर पर पेश कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि यह प्यार और जीतने की चाहत के बीच का फर्क है। उन्होंने तर्क दिया कि वोटर इस बात में फर्क कर सकते हैं कि वे किसे बंगाल से असली प्यार है और किसे सिर्फ चुनावी प्यार। जनता को समझाना है कि बीजेपी अहंकार से भरी कोशिश कर रही है।

भट्टाचार्य ने कहा कि जब वे बंगाल में हमारी योजनाओं की आलोचना करते हैं, लेकिन दूसरी जगहों पर वैसी ही योजनाएं लाने का वादा करते हैं, तो हम उनके इस विरोधाभास को सबके सामने लाते हैं। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि इस तरह की तुलना करके पार्टी अपने इस दावे को और मजबूत करती है कि उसकी नीतियों की नकल

उसके राजनीतिक विरोधी कर रहे हैं। कुल मिलाकर टीएमसी की चुनावी रणनीति में बड़े पैमाने पर काम करने, तेजी से आगे बढ़ने और लोगों की भावनाओं से जुड़ने का मेल दिखाई देता है। इसके साथ ही पारंपरिक जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से जुड़ने पर भी खास जोर दिया जा रहा है। जहां एक तरफ पार्टी अपने शासन के रिकॉर्ड और कल्याणकारी पहलों को लगातार सबसे आगे रख रही है। वहीं दूसरी तरफ वह इस चुनावी मुकाबले को और भी व्यापक सांस्कृतिक और पहचान से जुड़े मुद्दों के नजरिए से पेश करने की कोशिश भी कर रही है। वह खुद को 'असली' के तौर पर पेश कर रही है, जबकि बीजेपी के मॉडल को वह अपनी नीतियों की 'नकल' करने की कोशिश बता रही है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में देर रात हुआ तेज धमाका, कई घरों के शीशे टूटे, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के घगवाल इलाके में रविवार देर रात तेज धमाके से हड़कंप मच गया। लोअर हरसाथ गांव में हुए इस धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर घगवाल सेक्टर में स्थित गावाला तालाब में पूर्व सरपंच जयराम शर्मा के घर के मेनगेट के पास रात करीब दो बजे हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल से नमूने लिए। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह कश्मीर घाटी में पहले टारगेट किलिंग की घटनाएं सामने आती रही हैं, उसी तरह की गतिविधियों की आशंका अब जम्मू क्षेत्र में भी जताई जा रही है। इस घटना को कई लोग साजिश बता रहे हैं। वहीं पूर्व सरपंच जयराम शर्मा ने कहा कि उनके घर को निशाना बनाकर हमला किया गया है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सबूत जुटा रही हैं और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कांग्रेस ने ब्रिक्स समिट को लेकर पीएम मोदी से किए सवाल, वेस्ट एशिया संकट पर पहल करने की मांग

-जयराम बोले- 'विश्वगुरु' का दावा करने वाली सरकार कूटनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं दिखा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच ब्रिक्स समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा है, कि भारत इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच का उपयोग क्षेत्रीय संकट के समाधान के लिए क्यों नहीं कर रहा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत इस वर्ष नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर ठोस कूटनीतिक पहल करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रियता क्यों नहीं दिखा रहे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज नहीं करना चाहते। उनका कहना है कि केवल फोन पर बातचीत से सीमित परिणाम मिलते हैं, जबकि शिखर सम्मेलन के जरिए आमने-सामने चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास होने के बावजूद वेस्ट एशिया संघर्ष पर कोई सामूहिक बयान जारी नहीं किया गया। इससे पहले भी पार्टी ने अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई पर सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए थे।

गौरतलब है कि ब्रिक्स समिट 2026 की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है। यह जिम्मेदारी 1 जनवरी को ब्राजील से भारत को मिली थी। इससे पहले 2025 में रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा था। भारत ने ब्रिक्स मंच के लिए ह्यूमैनिटी फर्स्ट, रेजिलेंस एंड इनोवेशन, सस्टेनेबलिटी और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने जैसे प्रमुख एजेंडे तय किए हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार की मांग भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

ओवैसी ने खुद को बीजेपी की 'बी-टीम' ही नहीं 'सच्चा साथी' भी साबित कर दिया

बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी से गठबंधन को लेकर कांग्रेस समेत कई दलों ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के घोषणा करने के बाद कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी नेता हुमायूं कबीर की नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ेगी। इसको लेकर सोमवार को कांग्रेस ने कहा कि धन्यवाद ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ओवैसी ने खुद को बीजेपी की ÷बी-टीम÷ ही नहीं बल्कि उसका ÷सच्चा साथी÷ भी साबित कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि धन्यवाद, असदुद्दीन ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि आपने यह भी दिखा दिया कि आप न सिर्फ बीजेपी की बी-टीम हैं, बल्कि उसके सच्चे साथी भी हैं। लोग हुमायूं कबीर पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने

पार्टी बनाने के लिए पैसा लिया है। तो क्या आपको दिल्ली से फंड मिल रहा है? जनता सब समझती है और वह आपको पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के चुनावों में भी आपकी स्थिति दिखा देगी।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जहां भी धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा होता है, उसका फायदा बीजेपी को ही मिलता है। ओवैसी इसके लिए जाने जाते हैं और उन पर अक्सर ऐसे आरोप लगते हैं। वह निश्चित रूप से ऐसी रणनीति अपनाते हैं ताकि वोटों का विभाजन हो सके। इसलिए हम कहते हैं कि वह बीजेपी की बी-टीम के रूप में काम करते हैं।

वहीं झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि मुझे लगता है कि अब ओवैसी को एक-दो राज्यों में कुछ सफलता मिली है। उन्होंने बीजेपी को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों व ताकतों को कमजोर किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि बंगाल की राजनीति के संदर्भ में वह कहीं फिट नहीं बैठेंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने तंज कसते हुए कहा कि चाहे वह हुमायूं कबीर हों या ओवैसी, सच्चाई यह है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो जहर बोया है, उसने ऐसे कई किरदार पैदा किए हैं जो उसी जहर को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब एक स्वाभाविक विकल्प मौजूद है, तो ऐसे तत्वों का कोई महत्व नहीं रहेगा और इन चुनावों में उनका अस्तित्व मायने नहीं रखेगा।

इस बीच बिहार के मंत्री रामकृपाल यादव ने अपेक्षाकृत संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ओवैसी की पार्टी है और अगर वह चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह उनका स्वतंत्र निर्णय है। पार्टी अपने संगठन का विस्तार करना चाहती है और कई जगहों पर उसकी मौजूदगी है। ओवैसी ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है और एक लोकतांत्रिक पार्टी होने के नाते उसके नेता उसी अनुसार काम करते हैं। बता दें 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और दूसरा 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

मौत पर बहस: 29 साल की हट्टी-कट्टी महिला को दी इच्छामृत्यु, हरीश से बिल्कुल उलट है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 13 साल से कोमा की स्थिति से जूझ रहे गाजियाबाद के हरीश राणा के पिता को बेटे की इच्छामृत्यू के लिए करीब दो साल तक अदालत के चक्कर लगाना पड़े। पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की फिर सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी। ठीक इसके उलट नीदरलैंड की हट्टी-कट्टी 29 साल की महिला को इच्छामृत्यू आसानी से दी गई। जबकि न तो इनकी सेहत खराब थी और न ही ऐसी कोई खास परिस्थिति थी जिसकी वजह से उन्हे इच्छामृत्यू की अनुमति लेना पड़ी। केवल वे मानसिक तनाव, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझ रहीं थी। इन दोनों मामले को देखते हुए एक बार फिर इच्छामृत्यू को लेकर भारत में बहस छिड़ गई है।

यूरोपीय देश नीदरलैंड्स की 29 वर्षीय जोराया टेर बीक की इच्छामृत्यु को भी चर्चा में ला दिया है। हालांकि, जोराया और हरीश के मामलों में जमीन-आसमान का अंतर है। जहां हरीश शारीरिक रूप से मृतप्राय थे, वहीं जोराया शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ थीं। उन्होंने वर्ष 2024 में असहनीय मानसिक पीड़ा के आधार पर अपनी जीवनलीला समाप्त करने की अनुमति मांगी थी।

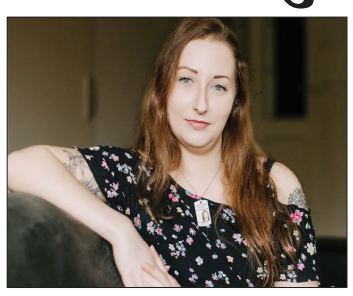

वर्षों तक डिप्रेशन, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझने के बाद उन्होंने तर्क दिया कि उनकी मानसिक स्थिति ने जीवन को जीने लायक नहीं छोड़ा है। साढ़े तीन साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें अनुमति मिल गई। नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में जीवन की गुणवत्ता को सर्वोपरि माना जाता है, जहां मानसिक कष्ट को भी इच्छामृत्यु का वैध आधार माना गया है। इसके विपरीत, भारत में कानून अत्यंत सख्त हैं। यहाँ केवल पैसिव यूथिनेशिया की अनुमति है, वह भी तब जब मरीज के ठीक होने की कोई गुंजाइश न बची हो।आलोचकों का तर्क है कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति हमेशा स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में नहीं होता, जबकि समर्थकों का कहना है कि व्यक्ति को अपनी पीड़ा के स्वरूप के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। हरीश और जोराया की ये दो कहानियां दो अलग दुनियाओं की तस्वीर पेश करती हैं–एक जहां जीवन को हर हाल में बचाने का संघर्ष है, और दूसरी जहां असहनीय पीड़ा से मुक्ति को भी एक मौलिक अधिकार माना गया है।

क्या किसी व्यक्ति की पीड़ा इतनी असहनीय हो सकती है कि उसे अपना जीवन समाप्त करने की कानूनी अनुमति दे दी जाए? क्या जीने का अधिकार अनिवार्य रूप से मरने के अधिकार को भी समाहित करता है? ये सवाल एक बार फिर वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। भारत में गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव यूथिनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति मिलने के बाद इस संवेदनशील मुद्दे पर नई बहस छिड़ गई है। हरीश ने पिछले 13 साल कोमा में, जिंदगी और मौत के बीच एक खामोश जंग लड़ते हुए बिताए। लंबी कानूनी प्रक्रिया और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों के बाद, अंततः उन्हें मशीनी जीवन से मुक्ति की इजाजत मिली।

रोचक मुकाबला: असम में भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए दिग्गज नेता नंदिता गरलोसा

गुवाहाटी (एजेंसी)। चुनाव से पहले नेताओं का आवागमन मुकाबले को कड़ा और रोचक बना देता है। असम में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर दिखाई देने लगी है। यहां सत्ताधारी दल भाजपा को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रहीं नंदिता गरलोसा ने रविवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया। भाजपा द्वारा इस बार उनका टिकट काटे जाने से वे काफी समय से नाराज चल रही थीं।

नंदिता गरलोसा का पार्टी छोड़ना भाजपा के लिए इसलिए भी बड़ी हार माना जा रहा है क्योंकि उन्हें मनाने की कोशिशें खुद मुख्यमंत्री स्तर पर की गई थीं। रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा खुद हाफलोंग पहुंचे और गरलोसा के आवास पर जाकर उनसे लंबी चर्चा की। हालांकि, मुख्यमंत्री की यह मान-मनौव्वल नाकाम रही। जैसे ही मुख्यमंत्री उनके घर से निकले, उसके कुछ ही घंटों बाद गरलोसा ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ले ली। इस बगावत की मुख्य वजह भाजपा द्वारा हाफलोंग सीट से उम्मीदवार का बदलना है। पार्टी ने मौजूदा विधायक और मंत्री नंदिता गरलोसा का टिकट काटकर इस बार रुपाली लांगथासा को अपना नया चेहरा बनाया है। इसी फैसले से आहत होकर गरलोसा ने कमल का साथ छोड़ दिया और अब वे अपनी पुरानी सीट हाफलोंग से ही कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। गरलोसा का स्वागत करते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव निर्मल लंगथासा ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में सच बोलने की सजा दी जाती है। लंगथासा ने कहा कि मुख्यमंत्री को आदिवासियों की जमीनें बड़ी कंपनियों को बेचने में दिलचस्पी है, जबकि गरलोसा जनता के हितों के लिए लड़ती रहीं। कांग्रेस सोमवार को आधिकारिक रूप से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा करेगी, जिससे अब हाफलोंग सीट पर रुपाली लांगथासा और नंदिता गरलोसा के बीच सीधा और रोचक मुकाबला तय माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी का नेतृत्व देश को 'अंत्योदय से सर्वोदय' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायक है और उनकी सेवा भावना राष्ट्र के लिए एक मिसाल है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में उत्तराखंड भी योगदान दे रहा है।

भाजपा नेताओं ने अपने बयानों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली जीत देशवासियों के भरोसे का प्रमाण है। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

लूटपाट के विरोध पर पार्क में चाकू से गोदकर हत्या, हमलावर भी घायल; दो नाबालिग समेत चार पकड़े गए

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में मंगलवार तड़के लूटपाट के विरोध पर बदमाशों ने एक शख्स पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त राजिंदर सिंह (40) के रूप में हुई। मृतक तड़के बीड़ी पीने के लिए पार्क में गए थे, जहां बदमाशों ने उनसे लूटपाट का प्रयास किया। चाकू लगने के बाद घायल पीड़ित किसी तरह घर के पास आकर गिर गए। जिसे परिवार वालों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ लिया है। जिसमें राज नाम का आरोपी भी घायल हुआ है और उसका सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक राजिंदर सिंह अपनी पत्नी सुरिंदर कौर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ई ब्लॉक सुल्तानपुरी में रहते थे। उनकी पत्नी ने बताया कि रोज की तरह वह तड़के करीब तीन बजे बीड़ी पीने के लिए घर से सामने स्थित पार्क में गए थे। उनके पास मोबाइल और एक हजार रुपये थे। कुछ देर बाद अचानक शोर शराबा हुआ और उसके पति ने उसे आवाज लगाई। वह भागकर बाहर आई। घर के बाहर उनका पति जमीन पर गिरे थे और उनके शरीर पर चाकू के कई घाव थे। उनके पेट से अंतड़ियां बाहर निकली हुई थीं। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने उनसे लूटपाट करने की कोशिश की, विरोध करने पर उनलोगों ने उसपर हमला कर दिया। परिवार वालों ने उन्हें तुरंत पास के संजय गांधी अस्पताल लेकर गए। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि संजय गांधी अस्पताल से पुलिस को चाकू लगने के बाद राजिंदर सिंह को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। वह बयान देने की हालत में नहीं था। उसके पेट में चाकू के कई घाव थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां छानबीन करने के बाद साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच करने के बाद दो हमलावरों रतन विहार सुल्तानपुरी निवासी राज और एफ ब्लॉक सुल्तानपुरी निवासी करण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लूटपाट या फिर विवाद की वजह से घटना हुई है, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। वारदात के दौरान एक आरोपी राज को भी हाथ में चाकू लगा है। पुलिस ने इनके निशानदेही पर वारदात में शामिल दो नाबालिगों को भी पकड़ लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। मृतक राजिंदर सिंह के साले परमिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि वह अपने जीजा को घायल अवस्था में लेकर संजय गांधी अस्पताल पहुंचे। उनकी अंतड़ियां बाहर निकली हुई थी। वह छटपटा रहे थे, इस दौरान डॉक्टर और नर्स उन्हें सुई लगाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह इसमें कामयाब नहीं हो रहे थे। उनका आरोप है कि उनलोगों ने उसे तड़पते हुए छोड़कर चले गए। करीब एक घंटे के बाद उनकी आंखे बंद होने लगी, तब डॉक्टरों को बुलाया गया और डॉक्टरों ने दिखावे के लिए उन्हें बचाने का प्रयास करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सहारनपुर में एक लाख का इनामी शहजाद मुठभेड़ में ढेर, कई मामलों में था वांछित

सहारनपुर। सहारनपुर में पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये के इनामी शहजाद को मार गिराया गया। आरोपी लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। पुलिस के अनुसार फतेहपुर थाना क्षेत्र के गंदेवड़ा गांव निवासी शहजाद की तलाश लंबे समय से की जा रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की, जिसके दौरान मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में शहजाद को गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शहजाद हिस्ट्रीशीटर और पेशेवर गोकशी से जुड़ा आरोपी था। उसके खिलाफ विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज थे और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

ट्रक की कमानी टूटने से रोड़ी से लदा ट्रक पलटा, सड़क किनारे सो रहे दो मजदूरों की मौत, दो की हालत गंभीर

बुलंदशहर। बुलंदशहर थाना खुर्जा देहात क्षेत्र के गांव मुबारकपुर में कल देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे सो रहे मजदूरों के ऊपर रोड़ी से लदा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, गांव मुबारकपुर में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान, निर्माण स्थल के पास सड़क किनारे कुछ मजदूर रात में सो रहे थे। अचानक, एक रोड़ी से लदे ट्रक की कमानी टूट गई, जिसके कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और सीधे सो रहे मजदूरों के ऊपर जा गिरा। रोड़ी के भारी वजन के नीचे दबने से मजदूरों को निकलने का मौका नहीं मिला। इस हादसे में राकेश (30) पुत्र राजेंद्र और पवन (35) पुत्र बनवारी लाल, जो रहीम कोर्ट डिबाई बुलंदशहर के रहने वाले बताए जा रहे हैं, की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का उपचार जारी है और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

पैरोल के बाद छह साल से भाग रहा हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला स्पेशल स्टाफ ने पैरोल पर जेल से निकलने के बाद छह साल से फरार कृष्ण पहलवान गैंग के एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पहचान झरौदा कलां निवासी 40 साल के योगेश उर्फ टिल्लू के रूप में हुई है। उसपर नजफगढ़ में कालू बंजारा और विवाद में कृष्ण पहलवान के दो निजी अंगरक्षक की हत्या करने का आरोप है। 2020 में कोविड महामारी के दौरान पैरोल मिलने के बाद वह भाग गया। बदमाश के कब्जे से एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी पर 2018 में कालू बंजारा की हत्या और कृष्ण पहलवान के दो अंगरक्षक की हत्या का आरोप है। निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने निगरानी बढ़ाई। जांच में पता चला कि योगेश मुंबई में रहता है और दोस्तों से बात करता है। पुलिस कई बार मुंबई गई, लेकिन पता चला कि वह राह चलते लोगों के फोन का इस्तेमाल करता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 10 मार्च को पुलिस को योगेश के दिचाऊं डिपो के पास किसी से मिलने के लिए आने की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से पिस्टल और कारतूस मिले।

22 सेकेंड में प्रिंसिपल ने बीएसए पर बरसाई बेल्ट

लखनऊ। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह को एक प्रधानाध्यापक ने मंगलवार को कार्यालय के अंदर बेल्ट से पीट दिया। आरोपी ने 22 सेकेंड में 3 बेल्ट बरसाईं। जब बीएसए ने पुलिस को कॉल करने के लिए फोन उठाया तो छीनकर उसे भी तोड़ दिया। सरकारी अभिलेख फाड़ दिए। बीचबचाव कर रहे लिपिक प्रेम शंकर मौर्या से भी हाथापाई की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। दोपहर करीब चार बजे महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय नदवा के प्रधानाध्यापक बृजेंद्र कुमार वर्मा बीएसए कार्यालय पहुंचे। बीएसए ने एक मामले में उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया प्रधानाध्यापक की लापरवाही पर बीएसए ने उन्हें डाटा। इस पर वह आग बबूला हो गए। बीएसए को अपशब्द कहे। उसके बाद कमर से बेल्ट निकालकर चार से पांच बार प्रहार किया। बेल्ट का लोहे का कुंडा उनके सिर पर भी लगा। बीएसए ने फोन उठाने की कोशिश की उसे छीनकर तोड़ दिया। बीएसए की मेज पर रखे सरकारी अभिलेख भी फाड़ दिए। सुनवाई के दौरान कार्यालय में मौजूद लिपिक प्रेम शंकर ने बीचबराव करने की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर कोतवाली लाई। बीएसए की तहरीर पर जान से मारने व सरकारी अभिलेख फाडने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी होने पर तमाम शिक्षक संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर अनूप शुक्ला ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं, देर शाम बीएसए ने जिला अस्पताल में अपना मेडिकल करवाया। बीएसए ने बताया कि प्रधानाध्यापक ने अपने विद्यालय की एक सहायक अध्यापिका को लापरवाही बरतने का नोटिस दिया था। इस नोटिस को उसने राजनीतिक की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर कोतवाली लाई। बीएसएएग्रुपों में शेयर कर दिया। इस पर शिक्षिका ने शिकायत की थी। इस शिकायत का जवाब देने के लिए कार्यालय बुलाया था। इस दौरान यह घटना हुई। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानाध्यापक को नोटिस का जवाब देने के लिए बुलाया था। दोबारा ऐसा कृत्य न करने की चेतावनी दी थी। इसी

ज्यूडिशियल काउंसिल ने वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन से संभावित परमाणु विकिरण जोखिम का आकलन करने की मांग की

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता): ज्यूडिशियल काउंसिल ने वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन से मांग की है कि वह इज़राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध से उत्पन्न संभावित परमाणु विकिरण जोखिमों का आकलन करने के लिए तुरंत विशेषज्ञ विश्लेषकों की एक टीम तैनात करे। डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस, महानिदेशक, डब्ल्यूएचओ को संबोधित एक पत्र में ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने क्षेत्र में बढ़ती शत्रुता के संभावित सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। ज्यूडिशियल काउंसिल ने रेखांकित किया कि संवेदनशील और रणनीतिक प्रतिष्ठानों से जुड़े खतरों की रिपोर्टों ने संभावित परमाणु या रेडियोलॉजिकल जोखिम को लेकर आशंकाएँ बढ़ा दी हैं। यदि इस स्थिति का शीघ्र आकलन नहीं किया गया, तो यह न केवल संघर्ष क्षेत्रों की आबादी के लिए बल्कि पड़ोसी

देशों और वैश्विक पारिस्थितिक संतुलन के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए, काउंसिल ने डब्ल्यूएचओ से तुरंत कार्रवाई करते हुए परमाणु विकिरण और पर्यावरणीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक विशेष टीम तैनात करने का आह्वान किया है। प्रस्तावित टीम से अपेक्षा की जाती है कि वह स्वतंत्र वैज्ञानिक आकलन करेगी, किसी भी वर्तमान या संभावित विकिरण जोखिम का मूल्यांकन करेगी और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों एवं उपचारात्मक उपायों की सिफारिश करेगी। ज्यूडिशियल काउंसिल ने पारदर्शिता और सही जानकारी के प्रसार के महत्व पर भी बल दिया, ताकि अफवाहों और गलत जानकारी को रोका जा सके। साथ ही, डब्ल्यूएचओ से अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्राधिकरणों के साथ मिलकर प्रभावी निगरानी और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन, वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य की अग्रणी संस्था होने के नाते, निष्पक्षता और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ इस महत्वपूर्ण कार्य को करने की विशिष्ट क्षमता रखती है, बयान में कहा गया। वैश्विक जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, ज्यूडिशियल काउंसिल ने त्वरित कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि समय पर हस्तक्षेप दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों को रोकने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन की करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

NAME CHANGE
I Pawan Kumar Goel S/0 Ram Pratap R/0 Khasra No 64/52 Near Indian Bank Main Narela Road VTC Alipur Delhi 110036 Changed my name to Pawan Kumar

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री मूल चंद के पुत्र तरुण शर्मा द्वारा खसरा संख्या 41/13 के अंतर्गत खसरा संख्या 102-ए में निर्मित द्वितीय मंजिल (पश्चिमी दिशा की ओर), बिना छत टेरेस के अधिकार के, 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली संपत्ति, जो ग्राम नांगलोई जाट, अब नांगलोई एक्सटेंशन-2 कॉलोनी, नांगलोई, दिल्ली-110041 में स्थित है, के संबंध में दिनांक 24.04.2025 के नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और श्री रामानंद के पुत्र श्री विकास चन्द द्वारा निष्पादित वसीयत के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती मंजू शर्मा को बेची जा रही है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shabina Azmee W/o Mr. Afroz Alam is the owner of Freehold Residential Built-up House Bearing Portion of House No.RZE-85 area measuring 40 Sq. Yds. Out of Khasra No.20/20 Situated in the area of Village Asalatpur, Colony Known as Chanakya Place, Part-II, Gali No.7, in Block-E, New Delhi. by virtue of Regd. GPA and WILL & Notarized ATS dated 28.04.2003, in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mohammad Mukhtar Ansari and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, ASHWINI, is legally spouse of JC No. 462973M, Rank – Nb Sub, Name – LIMBHORE PRAKASH EKNATH, presently residing at Vill – Sarola Kasar, Post – Sarola Kasar, Teh – Ahmadnagar, Dist – Ahmadnagar, State – Maharashtra – 414005, have changed my name from ASHWINI to ASHWINI PRAKASH LIMBHORE for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, LOKHANDE PRALHAD, is legally father of Army No. 2821912A, Rank – Sep, Name – LOKHANDE VITTHAL PRALHAD, presently residing at Vill – Paradh (Bk), Post – Paradh, Teh – Bhokardan, Dist – Jalna, State – Maharashtra – 431114, have changed my name from LOKHANDE PRALHAD to PRALHAD BHAGWAN LOKHANDE for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ARUNA, is legally spouse of JC No. 462821L, Rank – Nb Sub, Name – VAWDHANE KAILAS SOPAN, presently residing at Vill – Manori Khurd, Post – Deshmane, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423401, have changed my name from ARUNA to ARUNA KAILAS VAWDHANE for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JANABAI, is legally mother of JC No. 462821L, Rank – Nb Sub, Name – VAWDHANE KAILAS SOPAN, presently residing at Vill – Manori Khurd, Post – Deshmane, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423401, have changed my name from JANABAI to JANABAI SOPAN VAWDHANE and my date of birth from 24/09/1960 to 01/01/1962 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHASHIKALA, is legally mother of Army No. 2821912A, Rank – Sep, Name – LOKHANDE VITTHAL PRALHAD, presently residing at Vill – Paradh (Bk), Post – Paradh, Teh – Bhokardan, Dist – Jalna, State – Maharashtra – 431114, have changed my name from SHASHIKALA to LOKHANDE SHASHIKALA PRALHAD for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SOPAN, is legally father of JC No. 462821L, Rank – Nb Sub, Name – VAWDHANE KAILAS SOPAN, presently residing at Vill – Manori Khurd, Post – Deshmane, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423401, have changed my name from SOPAN to SOPAN THAMAJI VAWDHANE and my date of birth from 24/09/1955 to 01/01/1962 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SONAKKA S K Mother of No-2615568A Rank-HAV Name-SANDEEP SHANKARA KOLENNAVAR residing at 437, KALMESHWAR GALLI, AGASAGE, BELGAUM, KARNATAKA-591143, have changed my name from SONAKKA S K to SONAKA KOLLI for all future purposes vide Affidavit dated 23/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHANKAR H KOLENNAVAR Father of No-2615568A Rank-HAV Name-SANDEEP SHANKARA KOLENNAVAR residing at 437, KALMESHWAR GALLI, AGASAGE, BELGAUM, KARNATAKA-591143, have changed my name from SHANKAR H KOLENNAVAR to SHANKAR KOLLI for all future purposes vide Affidavit dated 23/03/2026 before Notary Public, Delhi.

Public Notice
I hitherto known as RAMWATI alias OM WATI DEVI W/o Kirpal Singh Yadav R/o 614 Prakash Nagar Gali No.5, Khora Colony Po. Khora Goan Ghaziabad Uttar Pradesh-201309 have changed my name and shall hereafter be known as OMWATI DEVI

NAME CHANGE
I, ANUJ THAPA S/O RESHAM THAPA, Permanent residing at STREET NO-03, HARIPUR KALAN, BIRLA FARM, HARIPUR KALAN, DEHRADUN, HARIPUR KALAN, DEHRADUN, UTTARAKHAND-249205, presently residing at 1/5 GR (FF), POCKET- II, QTRS. NO.60 SHEDULE 'A', PRESIDENT ESTATE RASHTRAPATI BHAWAN DELHI-110001 have changed the name of my minor daughter GAURI THAPA aged 03 years and she shall hereafter be known as YASHASVI THAPA.

NAME CHANGE
I, GAYATRI DEVI is legally mother of No. 15708668X Rank-HAV Name-SACHIN KUMAR presently residing at VILL-KANAKPUR, PO- FARIDNAGAR, TEH-MODINAGAR, DIST-GHAZIABAD, (UTTAR PRADESH)-245304 have changed my name from GAYATRI DEVI to GAYATRI for all future purposes. And in my son service record my wrongly mentioned is 10/12/1966 instead of 01/01/1967.Vide Affidavit dated 23/03/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I GITABAHEN legally wife of Army No 2803522P, Rank -Hav Name - Makawana Anvarsinh Jalusinh, At - Gadhada , Post - Agood, Tes -Vijapur, Dist - Mahesana, State - Gujart, Pin -382870 have changed my name from GITABAHEN to MAKWANA GITABEN ANVARSINH for all future purposes. Vide affidavit dated 10/03/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JANKI BADY is legally mother of No. 14838751H Rank HAV/DVRMT Name AMAR SINGH YADAV presently residing VILL-BHADESAR, PO-DONI, TEH -NOWGONG, DIST-CHHATARPUR, (MADHYA PRADESH-471201, do have changed my name from JANKI BADY to JANKI YADAV for all future purposes. Vide affidavit No - IN-DL75701245271272Y dated 19.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,supreet rajpal W/O Kunwarjeet singh sehgal R/O A119 sec 62 ansal Sushant city Sonipat Haryana 131029, Changed my name to Supreet kaur sehgal.

NAME CHANGE
I, Idris Ahmad S/O Rahis Ahmed R/O h.no-20C DDA Flat buland masjid shastri park Delhi 110053, Changed my name to Idrees Ahmed.

NAME CHANGE
I, Nitin Girdihar S/O Subhash Girdhar R/O C-1303 exotica elegance ahinsa khand 2 indrapuram Ghaziabad u.p 201014, changed my name to Nitin Girdhar.

NAME CHANGE
I,Jagpreet singh sehghal S/O sarup singh Sehgal R/O B 33 oriental appartment plot no 50 sec 9 rohini delhi 110085, changed my name to Jagpreet singh sehgal

NAME CHANGE
I Pawan Kumar Goel S/0 Ram Pratap R/0 Khasra No 64/52 Near Indian Bank Main Narela Road VTC Alipur Delhi 110036 Changed my name to Pawan Goel

NAME CHANGE
I PARDEEP KUMAR S/O MAHAVIR SINGH R/O VPO MAKRAULI KALAN(64) ROHTAK HARYANA - 124001 have changed my name to PARDEEP KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RAJENDER SINGH S/O HARI SINGH R/O D-53 BLOCK D EAST VINOD NAGAR KALYANVAS DELHI -110091 have changed my name to RAJENDRA SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I AVIPAL SINGH S/O PARAMJIT SINGH R/O H .NO B-93 ANAND VIHAR LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to AVI PAL SINGH BHOOI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I GEETA W/O RAJIV SRIVASTAVA R/O 28/803 EAST END APARTMENT MAYUR VIHAR EXTENSION, OPP NEW ASHOK NAGAR METRO STATION MAYUR VIHAR DELHI-110096 have changed my name to GEETA SRIVASTAVA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as CHHOTAN W/O SURAJ KUMAR R/O C-581, LIG FLATS, EAST OF LONI, SHAHDARA, DELHI-110093. have changed my name and shall hereafter be known as RAKHI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I LAKSHMI SACHDEVA W/O SUBHASH CHAND SACHDEVA R/O 11179/18/A/10 DORI WALAN NEW ROHTAK ROAD KAROL BAGH DELHI-110005 have changed my name to LAXMI SACHDEVA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, SARIEKA PRUTHII W/O RAJA PRUTHI R/O FLAT NO-1904 TOWER-C ISLE-DE-ROYAL RESIDENCES GWAL PAHARI GURGAON HARYANA-122003. have changed my minor daughter name from PAVNI PRUTHII to PAVNI PRUTHI for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I SANJITA BARMAN W/O HRISHIKESH BARMAN R/O H NO-103, Zamrudpur, Greater Kailash Part-1, VTC: Greater Kailesh, Po: Greater Kailash, Dist: South Delhi, Delhi-110048 declare that name of mine has been wrongly written as SANJEETA BARMAN in my minor Son namely PRITHVIRAJ BARMAN aged 13 years in his School Records. The actual name of mine is SANJITA BARMAN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I KAMLESH KUMARI W/O SEWAK RAM R/O S-272 VILLAGE SARAN, NEAR JAAT CHOPAL, FARIDABAD, HARYANA-121005 HAVE CHANGED MY NAME TO KAMLESH FOR ALL FUTURE PURPOSE. Important mainly because it was sent directly to you Click to teach Gmail this conversation is not important

NAME CHANGE
It is for general information that I DEVENDRA KUMAR S/O BIRBAL SINGH R/O 1/4633, Ram Nagar EXTN, Shahdara,North East Delhi, Delhi-110032 declare that name of mine has been wrongly written as DAVENDRA KUMAR in my service record. The actual name of mine is DEVENDRA KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ARSHAD HUSSAIN S/O ZAHIR HUSSAIN R/O H NO-K-785-A, GALI NO-9, SANGAM VIHAR, DEVLI, AMBEDKAR NAGAR, DELHI-110080, have changed my name to ARSAD HUSSAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KEIRAN DAVI W/O15201625X HAV (GNR) HEMANT KUMAR R/O MIRZAPUR,ISMAILPUR PO JALALABAD DIST SHAHAJAHAPUR UTTAR PRADESH -242221 HAVE CHANGED MY NAME FROM KEIRAN DAVI AND DATE OF BIRTH FROM 01.01.1980 TO KIRAN AND 01.01.1977 VIDE AFFIDAVIT DATED 23.03.2026 BEFORE BHIM SINGH INDORA NOTARY PUBLIC DELHI

NAME CHANGE
I hitherto known as AVLEEN BHOGAL D/o CHARANJEET SINGH BHOGAL, R/o A-304, VILLA, AMRAPALI LEISURE VALLEY, GREATER NOIDA WEST, GREATER NOIDA, UTTAR PRADESH-201306, have changed my name and shall hereafter be known as AVLEEN KAUR. I have changed only my name not my religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that AKSHAYKUMAR DRAVID S/O THANKACHAN NEELAKANDAN R/O Flat No. F-1929, Galaxy North Avenue, Greater Noida West, Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh 201009 declare that name of mine and my father has been Wrongly written as AKSHAYKUMAR K. THANKACHAN and THANKACHAN. K. N in my all Educational Documents. The actual name of mine and my father are AKSHAYKUMAR DRAVID and THANKACHAN NEELAKANDAN Respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, Anchal Singhal alias Anchal Gupta D/O Anil Kumar Singhal W/O Rahul Gupta R/O B-1010,SG Homes , Plot No- GH 4, Sector -3, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201012, have changed my name and shall hereafter be known as Anchal Singhal

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as RAJISHA CHRISTIAN alias RAJISHA PA D/O AGASTIN.P.J R/O Flat No. F-1929, Galaxy North Avenue, Greater Noida West, Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh 201009 have changed my name and shall hereafter be known as RAJISHA CHRISTIAN.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as PRIYANKA RAJ K alias PRIYANKA DRAVID D/O PREMARAJAN K W/O AKSHAYKUMAR DRAVID R/O Flat No. F-1929, Galaxy North Avenue, Greater Noida West, Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh 201009 have changed my name and shall hereafter be known as PRIYANKA DRAVID.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as SOMA DEVI W/o Mahipal Singh R/o Kanwani Extension Part-B, Indirapuram Gautam Budha Nagar Po. Noida Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as SOM VATI

NAME CHANGE
I, PRERANA, is legally spouse of Army No. 2809008F, Rank – Hav, Name – GHUGARDARE MAYUR MADHAV, presently residing at Vill – Kulakjai, Post – Kulakjai, Teh – Man, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415503, have changed my name from PRERANA to PRERANA MAYUR GHUGARDARE for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANJUSHA, is legally mother of Army No. 2809008F, Rank – Hav, Name – GHUGARDARE MAYUR MADHAV, presently residing at Vill – Kulakjai, Post – Kulakjai, Teh – Man, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415503, have changed my name from MANJUSHA to MANJUSHA MADHAV GHUGARDARE for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MADHEV, is legally father of No. 2809008F, Rank – Hav, Name – GHUGARDARE MAYUR MADHAV, presently residing at Vill – Kulakjai, Post – Kulakjai, Teh – Man, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415503, have changed my name from MADHAV to MADHAV KESHAV GHUGARDARE and my date of birth from 19/11/1965 to 22/11/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 23/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Rahul Kumar Goel S/0 Pawan Kumar R/0 Khasra No 64/52 Near Indian Bank Main Narela Road VTC Alipur Delhi 110036 Changed my name to Rahul Goel

NAME CHANGE
I hitherto known as KUSHAGRAH S/o SUBHASH MANAV, R/o H NO-137, SARAI KALE KHAN, HAZRAT NIZAMUDDIN, DELHI-110013, have changed my name and shall hereafter be known as KUSHAGRAH MANAV.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MONIKA BOHRA D/O DEEWAN SINGH BOHRA R/O S-47, 3rd Floor, Shakarpur, School Block, Dist: East Delhi, Delhi-110092, declare that name of mine has been wrongly written as SAMA KHATOON in my Aadhaar Card No. 802359019764. The actual name of mine is MONIKA BOHRA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, AMY MISRA W/O SHUBHAM JAIN residing at 8, 3RD FLOOR RAM VIHAR, ANAND VIHAR, DELHI-110092 , have changed my name to AMY JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I Apsara D/o Rewadhar, R/o H.No. 167 2nd Floor, Shakti Vihar, Pitampura, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name to Apsara Andola for all future purposes.

NAME CHANGE
I mohd Asif s/o Haji shoukat Ali residing at H no 345 k block near High secondary school new seelampur 110053 have changed my name to MD Asif

NAME CHANGE
I shehzadi Ansari w/o MD Asif residing at H no 345 k block near High secondary school new seelampur 110053 have changed my name to shahzadi

NAME CHANGE
I, ABHISHEK S/o Baldev Das R/o 4413/6, Shri Digamber Jain Mahila Ashram, Darya Ganj, Delhi-110002 have changed my name to ABHISHEK KUMAR permanently

NAME CHANGE
I, Harsh S/O Vishan Lal R/O H.no-24-B/26 quilla mohalla Bahadurgarh Haryana 124507, Changed my name to Harsh Narang.

NAME CHANGE
I, Nitin Kumar Rustagi S/O Suresh Kumar R/O RZG 119 near DDA park raj nagar 2 palam colony Delhi 110077, changed my name to Nitin Kumar.

NAME CHANGE
I, Shailly Arora W/O Dheeraj Kumar Arora R/O H.no-34 A 1st Floor Guru Angad nagar extension laxmi nagar East delhi 110092, Changed my name to Shailley Arora.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) विकास यादव** पुत्र सतीश यादव निवासी ए 624, गुरु रामदास नगर, लक्ष्मी नगर, **(2) मधुर उर्फ महेश** पुत्र मुरली लाल निवासी 391, गुरु रामदास नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली, **(3) तुषार सिंह** पुत्र रमेश सिंह निवासी 71, 72, गली नंबर 4, गुरु रामदास नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली, **(4) शुभम** पुत्र गोपाल निवासी राहुल विहार, गली नंबर 3, एमएस इंटरनेशनल के पास, उत्तर प्रदेश, ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 04/26 दिनांक 02.01.2026 धारा 115(2)/118(2)/126(2)/329(4)/333/340(2)/351(3)/191(2)/64(1)/74/79/3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023, थाना लक्ष्मी नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) विकास यादव, (2) मधुर उर्फ महेश, (3) तुषार सिंह, (4) शुभम** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **(1) विकास यादव, (2) मधुर उर्फ महेश, (3) तुषार सिंह, (4) शुभम** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)।

इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है की उक्त **(1) विकास यादव, (2) मधुर उर्फ महेश, (3) तुषार सिंह, (4) शुभम, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 04/26 दिनांक 02.01.2026 धारा 115(2)/118(2)/126(2)/329(4)/333/340(2)/351(3)/191(2)/64(1)/74/79/3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023, थाना लक्ष्मी नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री सतेंद्र पाल सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04
कोर्ट नंबर 32
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/3138/ED/2026

उत्तर रेलवे
(ई–नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक /यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (**https://ireps.gov.in/**) पर **ई–बोली** निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है–

क्र. सं.	ई–कैटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन / स्थान / पार्किंग लॉट
	Parking-09-2026	08.04.2026 को 11:00 बजे	हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर पार्किंग कम एक्सेस कंट्रोल राइट्स = कुल 01 साइट।

वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है	https://ireps.gov.in/

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:
1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर ई पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर ई पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी। **2.** एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान **3.** भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता **4.** आई आर ई पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण **5.** फण्ड का लियन मार्किंग **6.** टर्नओवर का अद्यतनीकरण (Updation) **7.** जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक / पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055; **Email: pkg.delhidivision@gmail.com, Tel: 011-23743084**

संख्या–23AC/393/E Auction/PKG/2026 दिनांक:- 23.03.2026 **980/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में रिश्वत लेता पुलिस सब इंस्पेक्टर रंगे हाथों गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। एंटी करप्शन ब्यूरों की टीम ने शहर के एचटीएम थाना के सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी ने नेहरा सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो के सूत्रों ने रविवार को बताया कि सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह एचटीएम थाना में तैनात था। उनके पास शिव नगर निवासी सोमनाथ व उसके भाई का कोई मामला था। इस मामले में सोमनाथ की जमानत हो चुकी थी जबकि उसके भाइ की जमानत पर सुनवाई हाल ही में होनी है। एंटी करप्शन ब्यूरो को दी शिकायत में सोमनाथ ने कहा कि नेहरा सिंह उससे 10 हजार रुपये मांग रहा है और बदले में नेहरा सिंह ने कहा कि वह उसके भाई की जमानत में टांग नहीं अड़ाएगा। बाद में वह सात हजार रुपये में मान गया। सोमनाथ की शिकायत के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो की एसपी सुमेधा सिंह ने सिरसा की टीम को इंस्पेक्टर सत्यवान शर्मा व सब इंस्पेक्टर सुरेश के नेतृत्व में एचटीएम थाना भेजा। जैसे ही सब इंस्पेक्टर नेहरा सिंह ने सोमनाथ से सात हजार रुपये लिए तो ब्यूरो की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ दबोच लिया। पकड़े गए सब इंस्पेक्टर को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

हरियाणा सरकार ने दिये सिविल सचिवालय कर्मचारियों को निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा सिविल सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर सरकार ने दो अहम निर्देश जारी किए हैं, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। एक ओर वेतन से आयकर कटौती के विकल्प तय करने को कहा गया है, वहीं दूसरी ओर वर्ष 2025-26 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) के लिए समयबद्ध सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। पहले पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कर्मचारियों के वेतन से आयकर की गणना और कटौती की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके तहत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से यह तय करने को कहा गया है कि वे पुराने टैक्स सिस्टम में रहना चाहते हैं या नए विकल्प के तहत टैक्स कटवाना चाहते हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीन कर्मचारियों से यह जानकारी लेकर 27 मार्च तक लेखा शाखा को भेजें, ताकि समय पर टैक्स कटौती सुनिश्चित की जा सके। दूसरे पत्र में वर्ष 2025-26 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (पहली अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026) को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि अप्रैल 2026 में लिखी जाने वाली एसीआर के लिए सभी संबंधित कर्मचारियों की जानकारी 25 मार्च तक उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। गोपनीय रिपोर्ट के लिए जानकारी तीन अलग-अलग श्रेणियों में मांगी गई है।

सुपवा देगी संस्थानिक स्टार्टअप इनोवेशन व एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा

रोहतक। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) ने संस्थानिक स्टार्टअप इनोवेशन व एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने का फैसला लिया है। इसके तहत क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत आंतरिक व अंतर संस्थागत साझेदारियां की जाएंगी। ताकि, सुपवा के छात्रों, संकाय व फैकेल्टी की नवाचारी और उद्यमिता क्षमता का और अधिक विकास किया जा सके। यह निर्णय यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल (ईसी) की बैठक में लिया गया। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने रविवार को बताया कि भारत सरकार देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके मद्देनजर छात्र-चालित नवाचार व स्टार्टअप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्रों और संकाय को नवाचार व उद्यमिता गतिविधियों में शामिल करने के लिए सुपवा अपने स्तर पर प्लेटफॉर्म मुहैया कराएगी। इन्हें कोई दिक्कत न आए, इसलिए एक मजबूत नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाया गया है। डॉ आर्य ने कहा कि संस्थानिक स्टार्टअप इनोवेशन व एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी के तहत प्री-इंकेबेशन व इंक्यूबेशन समर्थन प्रणालियां, नवाचार व स्टार्टअप में शामिल संकाय व छात्रों के लिए प्रोत्साहन, संस्थानों व इंक्यूबेटेड स्टार्टअप के बीच आईपी स्वामित्व, राजस्व साझा करने व इक्विटी साझा करने की प्रणालियां विकसित की जाएंगी। यह छात्रों, संकाय व हितधारकों के बीच नवाचार का समर्थन करने और स्टार्टअप को पोषित करने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र साबित होगा।

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हो रहा समान विकास : डा. कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा है कि वर्तमान केंद्र एवं प्रदेश सरकार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिल रहा है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा गांव झांज खुर्द की चैपाल में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ साथ उन्होंने झांज खुर्द, झांज कलां, बड़ैदी, बरसोला, दरियावाला, ढांडा खेड़ी, जाजवान, ईंटलखुर्द, ईंटल कलां, इंक्कस तथा जलालपुर खुर्द सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को पांच अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जींद में प्रस्तावित रैली में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है ताकि हर नागरिक को चिकित्सा, शिक्षा एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं सहजता से मिल सकें।

विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर हरियाणा निभा रहा है अग्रणी भूमिका: नायब सैनी

सीएम ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह को किया संबोधित

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह विजन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिसे धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम के गांव काकरौला में आयोजित 'विकसित बादशाहपुर महारैली' एवं मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 2,709 लाभार्थियों को उनके घरों की चाबियां सौंपी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह विजन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिसे धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर गरीब परिवारों को छत मुहैया कराना सरकार की सेवा और समर्पण का प्रतीक है। बजट 2026-27 का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 23,154 नए मकान और शहरी योजना के तहत 16 शहरों में 15,251 प्लॉट पात्र परिवारों को आवंटित किए जाएंगे।

विकास के आंकड़ों में बादशाहपुर की नई पहचान

मुख्यमंत्री ने बादशाहपुर के विकास की तुलना पूर्ववर्ती सरकार से करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में यहाँ 15,166 करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की गई हैं, जबकि इससे पहले के 10 वर्षों में मात्र 967 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लिए की गई 81 सीएम घोषणाओं में से 60 पूरी हो चुकी हैं।

औद्योगिक क्रांति का केंद्र बनेगा गुरुग्राम

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा वर्ष 2047 तक औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनेगा, जिसमें गुरुग्राम और मानेसर की भूमिका अहम होगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा क्षेत्र में 236 करोड़ रुपये के विकास कार्य शुरू किए जा चुके हैं। साथ ही, अरावली क्षेत्र के गांव खोह, कासन और सहरावन में 200 एकड़ भूमि पर 'नमो वन' विकसित किया जा रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देगा।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज नरवाना स्थित अपने निवास स्थान पर आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देश दिए। इस दौरान अनेक क्षेत्र वासी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर मंत्री से मिलने पहुंचे। मंत्री ने कहा कि जन सेवा ही सच्ची सेवा है और जनता की समस्याओं का उचित समाधान सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को सुशासन देने के लिए कटिबद्ध है। विशेष रूप से कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्गों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है और इसे सरकार द्वारा बखूबी निभाया जा रहा है। उन्होंने जनसाधारण का भी आह्वान किया कि वे भी अपने स्तर पर सरकारी योजनाओं की जानकारी रखें और उनका अधिकाधिक लाभ उठाएं। इसके बाद कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने स्थानीय पैलेस में लगाएं गए रक्तदान शिविर का भी उद्घाटन किया और रक्तदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्तदान से बढ़कर दूसरा कोई महादान नहीं है।? रक्तदाता द्वारा दी गई कीमती रक्त की बूंदें किसी भी दुर्घटना से ग्रस्त व्यक्ति की जिंदगी की संजीवनी बनती हैं। लिहाजा प्रत्येक युवा को अपने जीवन में रक्तदान जैसा पुण्य कार्य करना चाहिए।

नारनौल के रेलवे स्टेशनों पर संयुक्त सर्च ऑपरेशन

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के नारलौल जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया। रेवाड़ी बीडीडीएस, सीआईडी, जीआरपी, आरपीएफ और हरियाणा गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने अटेली, नारनौल और निजामपुर रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान आधुनिक उपकरणों की मदद से स्टेशन परिसर, यात्री प्लेटफॉर्म, बिजली के पोल और रेलवे ट्रैक के आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की बारीकी से तलाशी ली गई। बीडीडीएस सीआईडी रेवाड़ी के इंचार्ज एसआई कुलदीप सिंह ने बताया कि यह औचक निरीक्षण बीते बुधवार को सोनीपत रेलवे स्टेशन के बाहर मिले एक हाई-टेक कैमरे के मद्देनजर किया गया है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ था कि वह कैमरा गाजियाबाद से संचालित एक जासूसी गिरोह से जुड़ा था। चौंकाने वाली बात यह है कि वह कैमरा सोलर पैनल से चल रहा था और उसका एक्सेस सीमा पार पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के पास होने की आशंका जताई गई है, जो भारतीय रेलवे और सैन्य गतिविधियों की जासूसी कर रहे थे। गहन जांच के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली, क्योंकि नारनौल, अटेली और निजामपुर स्टेशनों पर कोई भी संदिग्ध कैमरा या उपकरण बरामद नहीं हुआ। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं हैं। सुरक्षा बलों ने रेलवे स्टाफ और स्थानीय लोगों को भी किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को देने के निर्देश दिए हैं।

सोहना में एलपीजी गैस का संकट गहराया पुलिस के पहरे में वितरित हुई गैस

8 गैस लेने वालों की लंबी कतार, ऑनलाइन बुकिंग वेटिंग अढ़ाई हजार के पार

एजेंसी

सोहना। कस्बे में एलपीजी गैस का संकट गहराने लगा है। एजेंसी पर गैस लेने वालों की कतार बढ़ने लगी है। गैस संचालक ने पुलिस के पहरे में गैस वितरित करनी पड़ी थी। ऑनलाइन बुकिंग वेटिंग भी 2500 के पार पहुंच गई है। वहीं गैस एजेंसी संचालक एलपीजी सिलेंडर गाड़ियां कम आने की बात कह रहे हैं। एक ओर जहां समूचा देश एलपीजी गैस संकट से जूझ रहा है, वहीं सोहना कस्बे में भी गैस वितरण की स्थिति बदहाल होने लगी है। गैस एजेंसी पर गैस लेने वालों की कतारें सुबह से ही लगनी शुरू होने लगी हैं। जिसके चलते गैस वितरण का कार्य पुलिस की निगरानी में होने लगा है। गैस एजेंसी पर गैस लेने वाले उपभोक्ताओं की सुबह से ही लंबी लाइनें लग गई थीं। जिससे एजेंसी पर अफरा तफरी का माहौल बन गया था। एजेंसी संचालक को पुलिस को बुलाना पड़ गया। तथा लोगों को पुलिस की मौजूदगी में गैस वितरित की गई। सोहना गैस एजेंसी में 3 दिनों के अंतराल में मात्र एक ही गाड़ी पहुंची है। जब कि पूर्व में रोजाना 2 गाड़ियां आती थीं। गाड़ी में करीबन मात्र 400 सिलेंडरों की खेप होती है। जो तुरंत ही वितरित हो जाती है। कस्बे में उपभोक्ताओं द्वारा कराई गई ऑनलाइन वेटिंग बुकिंग 2500 के पार पहुंच गई है। जो 13 मार्च से आज तक भी कम नहीं हुई है। तथा रोजाना बढ़ रही है। जबकि कंपनी द्वारा कई कई दिनों में मात्र एक ही गाड़ी भेजी जा रही है।

क्या कहते हैं प्रबंधक

सोहना गैस एजेंसी के प्रबंधक अनिल शर्मा बताते हैं कि गाड़ियां कम आने के कारण गैस वितरित करने में परेशानी हो रही है। बुकिंग ज्यादा होने के कारण उपभोक्ताओं को पर्याप्त गैस नहीं मिल रही है। मैनुअल बुकिंग के जरिये किसी को भी गैस नहीं दी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि गैस की गाड़ियां ज्यादा आने पर किल्लत समाप्त हो जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शहीदी दिवस पर दी श्रद्धांजलि; लेजर वैली पार्क में लगेगी शहीद भगत सिंह की प्रतिमा

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हरियाणा वीरों की भूमि है और यहाँ के युवाओं में देश सेवा का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में 'होम डेवलपर्स एसोसिएशन' द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के सम्मान में आयोजित शहीदी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शहीदों को नमन और बड़ी घोषणा

मुख्यमंत्री ने 'शहीद-ए-आजम' भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने गुरुग्राम के लेजर वैली पार्क में शहीद भगत सिंह की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने 'शहीद-ए-आजम' भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने सीआरपीएफ के डीआईजी परम शिवम को 38.25 लाख रुपये का चेक भी सौंपा, जिसे गुरुग्राम होम डेवलपर्स द्वारा शहीद जवानों के परिवारों के कल्याण हेतु एकत्रित किया गया था।

सैनिक कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता

नौकरी और सहायता: पिछले 11 वर्षों में शहीदों के 418 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी दी गई है। अनुग्रह राशि में वृद्धि: युद्ध या आईईडी ब्लास्ट में शहीद होने वाले जवानों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया है। दिव्यांगता सहायता: घायल सैनिकों के लिए दिव्यांगता के आधार पर सहायता राशि को क्रमशः 35 लाख, 25 लाख और 15 लाख रुपये किया गया है। पेंशन: द्वितीय विश्व युद्ध के भूतपूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को 10,000 रुपये मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। नायब सैनी ने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' का मंत्र आज देश की दिशा तय कर रहा है। उन्होंने वीरांगनाओं के साहस को नमन करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का साझा दायित्व है। उन्होंने गर्व से उल्लेख किया कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणा से है। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक मुकेश शर्मा, तेजपाल तंवर, मेयर राजरानी मल्होत्रा,पूर्व एडीजीपी अनिल राव, भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, निगमायुक्त प्रदीप दहिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में विधायक मुकेश शर्मा ने मुख्यमंत्री और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

खेल ओर मेले हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक: कुंवर रवि चौहान

एजेंसी

खोल। ग्राम गिगलाना में गणगौर पर्व के उपलक्ष्य में बाबा धान दास मान दास मंदिर पर विशाल मेले का आयोजन हुआ । जिसमें कुश्ती दंगल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं को देखने क्षेत्र के ग्रामीण उमड़ पड़े। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय उद्योगपति ओर प्रबुद्ध समाजसेवी कुंवर रवि चौहान रविन्द्रगढ़ थे। श्री चौहान का मेला कमेटी ओर ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। मेले में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में कुंडल की टीम प्रथम एवं राजगढ़ की टीम द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी में गादला की टीम प्रथम एवं बधराना की टीम द्वितीय स्थान पर रही। लोंग जंप में अभिषेक पिलानी प्रथम एवं प्रदीप गिगलाना द्वितीय, हाई जंप में प्रदीप गिगलाना प्रथम एवं वेद प्रकाश ढ़ोसी द्वितीय, बुजुर्ग दौड़ में गजेंद्र सिंह जोनायचा प्रथम एवं शादीराम अटेली द्वितीय स्थान पर रहे। मेले में आयोजित घोड़ी डांस प्रतियोगिता में मोनू सुलताना की घोड़ी प्रथम, सुभाष सुल्ताना द्वितीय एवं हनी बणीपुर तृतीय स्थान पर रहे। ऊंट डांस प्रतियोगिता में सुभाष सुलताना प्रथम, मोनू सुलताना द्वितीय एवं कालू कोसलपुर तृतीय स्थान पर रहे। मेले में विराट कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ जिसमें पहलवानों द्वारा रोचक संघर्षपूर्ण मुकाबले प्रस्तुत किये गये। विजेता खिलाड़ियों को कुंवर रवि चौहान ने पुरस्कृत किया और कहा कि मेले और खेल हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक है। इनसे आपसी भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि गणगौर पर्व हमारी परंपरा, आस्था और संस्कृति का सुंदर संगम है ओर इस पर्व पर महिलाएं पूरे उत्साह के साथ अपनी धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखती है।

स्वामी दयानंद की विचारधारा से मिला स्वदेशी और स्वराज का मंत्र : औमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। स्वामी दयानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार और ज्ञान से उजाला करने को समर्पित कर दिया। उनकी सुधारवादी विचारधारा से ही स्वदेशी और स्वराज का मंत्र मिला। स्वामी जी के इसी मंत्र से प्रेरित होकर देश की आजादी के लिए अनेक देशवासियों ने त्याग और बलिदान दिया। स्वामी जी विचारधारा आज भी हमें नवाचार की ओर अग्रसर करती है। भारत वर्ष की इस समृद्ध परंपरा को गुरुकुल आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने गुरुकुल झज्जर के 110 वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि झज्जर गुरुकुल ने इस क्षेत्र में सनातनी परंपरा और नैतिकता की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। -- सनातनी शिक्षा के नवाचार से भारत हुआ मजबूत धनखड़ ने कहा कि ओमानंद सरस्वती जी ने स्वामी दयानंद जी की विचारधारा के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समर्पित कर दिया। ओमानंद जी ने विपरित परिस्थितियों में भी सनातनी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति दूसरों के पीछे-पीछे चलना सिखाती है। हमारे वेद व सनातनी शिक्षा नवाचार और सुधार की ओर अग्रसर

करती है। हमारी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय सम्मेलन कराने जैसे निर्णय हमें नई तकनीक और नये ज्ञान के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित करते हैं। धनखड़ ने कहा कि सनातनी शिक्षा की बदौलत ही दुनिया के शक्तिशाली देश अब भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखने लगे हैं। पश्चिम एशिया युद्ध को रोकने के लिए कई बड़े देश भारत को आगे आने की बात कर रहे हैं। यह आगे बढ़ते भारत की ताकत है धनखड़ ने कहा कि भारत के युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों को तकनीक के साथ समावेश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की रीति और नीति में सनातनी संस्कृति के साथ राष्ट्र विकास सर्वोपरि है । आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में हर भारतीय का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत हो अपना। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने संस्कारों और संस्कृति के साथ नवाचार को अपनाएं। गुरुकुल महाविद्यालय पहुंचने पर आचार्य विजयपाल जी ने भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ का वैदिक परंपरा से स्वागत किया।

इस अवसर पर आचार्य विजयपाल , स्वामी प्रद्युम्न ,स्वामी देवव्रत , स्वामी पूर्णानंद डॉ योगानंद शास्त्री,आचार्य विजयानंद, महेंद्र धनखड़,आनंद सागर, चेयरमैन जगदीप छिकारा,संदीप हसनपुर, रामबीर सिलानी,उमेद आर्य, सुरेंद्र छपार,मनीष सिलानी, प्रकाश धनखड़ सहित सैकड़ों की संख्या में आचार्य ,शिक्षाविद् और छात्र मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति को किया सैल्यूट

एजेंसी

अंबाला। प्रदेश ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सराहना और सलाम करते हुए कहा कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने में भारत को सफलता मिली है। मीडिया से बातचीत के दौरान श्री विज ने बताया कि इस मार्ग से कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं, जबकि शेष जहाजों को निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं। उन्होंने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने आगे कहा कि कई देशों के सैकड़ों जहाज 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास फंसे हुए हैं और बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, मीडिया से बातचीत के दौरान श्री विज ने बताया कि इस मार्ग से कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं, जबकि शेष जहाजों को निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं।लेकिन जिन जहाजों पर तिरंगा लगा है, उन्हें वहां से निकलने की अनुमति मिल रही है। उनके अनुसार, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रभावी विदेश नीति का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि श्री विज ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी ट्वीट कर प्रधानमंत्री की विदेश नीति की प्रशंसा की। उन्होंने आगे कहा कि कई देशों के सैकड़ों जहाज 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास फंसे हुए हैं और बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, मीडिया से

बातचीत के दौरान श्री विज ने बताया कि इस मार्ग से कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं, उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति को सैल्यूट मध्य पूर्व के युद्ध में 'तेल की नस' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फसे तेल और गैस के कई जहाज और मुक्त हो सके और बाकी फसे 22 जहाज पर लगातार कर रहे हैं।

आयुष्मान योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा! नवजात को कागजों में भर्ती दिखाकर 48 हजार क्लेम का आरोप

एजेंसी

हिसार। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत फर्जीवाड़े का एक चौंकाने वाला मामला जिले के उकलाना से सामने आया है। यहां एक निजी अस्पताल पर आरोप है कि उसने एक नवजात बच्चे को कागजों में भर्ती दिखाकर 48 हजार की राशि निकाल ली। मामले की शिकायत मिलने पर सीएम फ्लाइंग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने अस्पताल पर छापा मारकर जांच की, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में गठित टीम, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर विश्वजीत चौहान, सहायक राम भगत, लिपिक प्रदीप कुमार, एएसआई सुरेंद्र सहित अन्य अधिकारी शामिल थे, ने उकलाना मंडी स्थित विधाता नर्सिंग होम में अचानक रेड की। शिकायत से खुला मामला गांव बिठमड़ा निवासी संदीप कुमार ने आरोप लगाया कि वह तीन मार्च को अपनी पत्नी सोनिया को डिलीवरी के लिए उक्त अस्पताल में हुआ और सात मार्च को जच्चा-बच्चा पूरी तरह स्वस्थ होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। अस्पताल को इलाज व डिलीवरी के खर्च के 25 हजार की राशि अदायगी की गई। पीड़ित के अनुसार, उसने डॉक्टर से आयुष्मान कार्ड के तहत इलाज करने का अनुरोध किया था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने मना कर दिया और उनकी पत्नी का आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड अपने पास रख लिया। गत 14 मार्च को जब वह पत्नी को चेकअप के लिए अस्पताल लेकर गया, तो डॉक्टर ने अगले दिन बच्चे को भी साथ लाने के लिए कहा। हालांकि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ होने के कारण वह उसे अस्पताल नहीं ले गया। इसके बावजूद 15 मार्च को अस्पताल की ओर से बार-बार फोन कर बच्चे को लाने का दबाव बनाया गया। कागजों में भर्ती, घर पर था बच्चा! संदीप कुमार के अनुसार, 15 मार्च को वह अकेला ही अस्पताल पहुंचा, जहां स्टाफ से उसे जानकारी मिली कि उसके नवजात बच्चे को 7 मार्च से ही अस्पताल में भर्ती दिखाया गया है। यह सुनकर उसे शक हुआ और उसने तुरंत अपनी पत्नी के दस्तावेज अस्पताल से वापस ले लिए। बाद में जब उसने सीएससी सेंटर पर आयुष्मान कार्ड की जांच करवाई, तो सामने आया कि अस्पताल ने उसके बच्चे को फर्जी तरीके से एडमिट दिखाकर 48 हजार की राशि क्लेम कर ली है।

सांसद सैलजा ने किया चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को बांट रही है

एजेंसी

पंचकूला। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने आज पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित बिश्नोई भवन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण किया। सांसद सुश्री सैलजा ने चौधरी भजनलाल को एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ बताते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल सामाजिक एकता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे, यही कारण है कि आज भी सभी वर्गों के लोग उन्हें सम्मानपूर्वक याद करते हैं। इस अवसर पर बिश्नोई सभा द्वारा सांसद का सम्मान भी किया गया। उन्होंने कहा कि देश में न तो वास्तविक रूप से स्मार्ट सिटी विकसित हुए हैं और न ही शहरों में मूलभूत सुविधाएं। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों को उन्होंने कई बार लोकसभा में उठाया है, लेकिन सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस मौके पर पंचकूला के विधायक चंद्र मोहन बिश्नोई, विधायक अकरम खान, कालका के पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी, रामकिशन गुर्जर, प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सुधा भारद्वाज सहित बिश्नोई सभा के पदाधिकारी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कुमारी सैलजा ने विश्वास जताया कि पंचकूला की जनता कांग्रेस पार्टी को नगर निगम चुनाव में विजय दिलाएगी। सांसद ने प्रदेश में बढ़ती गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी को सरकार की विफलता बताया। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहे, जिससे जनता परेशान है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है, और न ही शहरों में मूलभूत सुविधाएं। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों को उन्होंने कई बार लोकसभा में उठाया है, लेकिन सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

चेन्नई, ।

तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है। इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है।रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।धर्मपुरी जिले में कीमतों में हल्की सुधार के संकेत मिले हैं, जहां हाल की बारिश के बाद आपूर्ति कम होने से कीमतें 13 से 15 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं। हालांकि, किसानों का कहना है कि बाजार अभी भी अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। तिरुचिरापल्ली जिले के मरुंगापुरी क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां

किसानों ने कटाई रोक दी है। तोड़ाई और परिवहन की लागत करीब 3,000 रुपये प्रति एकड़ होने के कारण मौजूदा कीमतों पर काम जारी रखना संभव नहीं है।विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक समाधान की जरुरत पर जोर देते हुए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और न्यूनतम समर्थन तंत्र जैसे उपायों की जरूरत बताई है, ताकि किसानों को बार-बार होने वाली कीमत गिरावट से बचाया जा सके और उन्हें स्थिर आय तय हो सके।

इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा। इनोविजन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 3.32 गुना अभिदान मिला था। इनोविजन ने निवेशकों से मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद अपने आईपीओ की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मार्च कर दी थी और साथ ही मूल्य दायरा भी घटा दिया था। आईपीओ पहले 12 मार्च को बंद होने वाला था। कंपनी ने मूल्य दायरे को 521-548 रुपये प्रति शेयर से घटाकर 494-519 रुपये प्रति शेयर कर दिया था। हरियाणा स्थित इस कंपनी के आईपीओ में 255 करोड़ रुपये के नए शेयर और 12.38 लाख शेयर का बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव शामिल था।कंपनी की योजना नए निर्गम हासिल धनराशि का उपयोग ऋण के भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति

निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.32 फीसदी चढ़कर 101.50 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि एशिया में आपूर्ति सख्त हो रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप में भंडार बढ़ने से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पहले वैश्विक आपूर्ति मांग से अधिक थी।

भारतीय प रिवारों के घरों में रखा सोना अब देश की जीडीपी से भी बड़ा

जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 445 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

भारतीयों का सोने के साथ रिश्ता केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व और सुरक्षा की भावना से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि यह संबंध अब देश की पूरी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) को भी पीछे छोड़ चुका है। जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 445 लाख करोड़ रुपये) को पार कर चुकी है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार 2025-26 में भारत की कुल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है। यानी भारतीय घरों में रखा सोना देश की सालाना कमाई से लगभग 125 फीसदी अधिक मूल्यवान है। सीधे शब्दों में कहें, अगर भारत के सभी घरों का सोना एक साथ रखा जाए, तो यह पूरी देश की अर्थव्यवस्था से अधिक मूल्यवान साबित होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट इस आंकड़े को और दिलचस्प बनाती है। जनवरी 2026 तक घरों में रखा सोना बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैप (460 लाख करोड़ रुपये) के लगभग बराबर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीयों का भरोसा बैंक डिपॉजिट या शेयर बाजार से कहीं अधिक सोने पर

है। आज घरों में जमा सोने की कीमत बैंकों और शेयर बाजार में निवेश के कुल योग का 1.75 गुना है। पिछले कुछ सालों में सोने के प्रति दीवानगी तेजी से बढ़ी है; मार्च 2019 में घरों में रखे सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब चार गुना बढ़ चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब पैसा सोने में बंधा रहता है तो यह डेड एसेट बन जाता है और बाजार में घूमकर विकास में योगदान नहीं करता। इसके अलावा, भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए यह घरेलू पूंजी का बाहर जाना भी माना जाता है। वर्तमान में भारतीयों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा केवल सोने में बंद है, जो निवेश और परंपरा का अनोखा मिश्रण दर्शाता है।

महाराष्ट्र में 20 प्रतिशत बढ़ाई गई रेस्तरां व भोजनालयों को पीएनजी की आपूर्ति- मंत्री

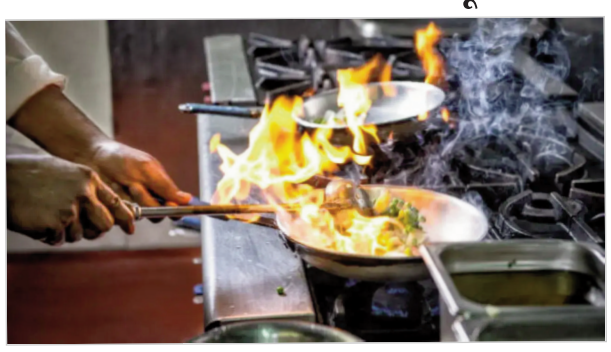

मुंबई ।

महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने यह जानकारी दी और कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने कारोबारियों के लिए पीएनजी वितरण में ढील देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा` कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे रेस्तरां और भोजनालयों पर असर पड़ा। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कई खानपान केंद्रों को अपना संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। भुजबल ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी आपूर्ति पहले 20 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं इसके बाद इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि की गई। अब आपूर्ति में अतिरिक्त 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। होटल उद्योग की ओर से रेस्तरां और भोजनालयों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा रही थी। भुजबल ने पहले कहा था कि घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने संबंधी केंद्र सरकार की सलाह के बाद होटल मालिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर राज्य सरकार विचार करेगी।

रुपया 41 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 93.94 डॉलर पर

- रुपया शुक्रवार को 64 पैसे टूटकर 93.53 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 41 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और सुबह के सत्र में घरेलू शेयर बाजारों में आई भारी गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को और कमजोर कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.84 पर खुला। हालांकि बाद में यह लुढ़कता हुआ 93.94 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

भारत की स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी करेगी एआई चिप्स में निवेश, जुटाएगी 25 करोड़

वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ चल रही बातचीत

मुंबई ।

तेलंगाना के टी-हब द्वारा समर्थित सेमीकंडक्टर स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी अपने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संचालित` सिस्टम आन ` चिप (एसओसी) समाधानों के लिए 25 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। ये एसओसी समाधान एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के लिए विकसित किए जा रहे हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार तकनीकी जानकारी हासिल कर ली गई है और इसे फिलहाल एफपीजीए (फील्ड-प्रोग्रामेबल गेट एरे) पर लागू किया जा रहा है। जहां एक चिपसेट की कीमत लगभग 35,000 रुपये है। अगर हम इसकी कीमत 3,000 रुपये तक लाना चाहते हैं तब हमें टेप-आउट की जरूरत है जिसकी लागत लगभग 30 लाख डॉलर आएगी। तेलंगाना सरकार के टी-हब द्वारा समर्थित इस स्टार्टअप का लक्ष्य अगले 10 महीनों में इन एसओसी चिपसेट का टेप-आउट पूरा करना है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ उनकी बातचीत कैसी रहती है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए डीपग्रिड सेमी एफपीजीए के कई यूज केस पर जोर दे रही है ताकि उत्पाद बाजार में इसे दिखाया जा सके। एफपीजीए असल में एक सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) है जो उपयोगकर्ताओं को मैन्युफैक्चरिंग के बाद लॉजिक ब्लॉकों और इंटरकनेक्ट्स को कॉन्फिगर और इसकी दोबारा प्रोग्रामिंग करने की सुविधा देता है। ये आईसी फील्ड ट्रायल के आधार पर जल्दी अपडेट हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा` कि हमने ह्यूमनॉयड्स, ऑटोनॉमस मोबाइल रोबोट्स (एएमआर) और सी पोर्ट्स के लिए ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) पर कुछ फील्ड ट्रायल किए हैं। हमारे लिए यूज केस पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर है क्योंकि हम पैसे जुटा रहे हैं।

जब हम पैसा जुटा लेंगे तब भी हम केवल अपने यूज केस को बढ़ाना चाहेंगे। कंपनी कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक एवं निजी वाहन निर्माताओं से भी बातचीत कर रही है जो भारत में अपनी गाड़ियां बनाते हैं, ताकि एडीएएस चिप के फील्ड ट्रायल किए जा सकें।

अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस?

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टॉक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है।

तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जैकब एंड कंपनी ने पेश की हीरों से जड़ी 30 करोड़ की मास्टरपीस घड़ी

एंजेल कट हीरों और डबल फ्लाइंग टूरबिलन तकनीक से दमकती है यह दुर्लभ घड़ी

नई दिल्ली ।

लग्जरी वॉच मेकर जैकब एंड कंपनी ने अपनी नई मास्टरपीस घड़ी पेश की है, जो कीमत और चमक दोनों में ही अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित करती है। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल किए गए एंजेल कट हीरे, जो इसे बेहद विशिष्ट और भव्य बनाते हैं। सामान्य हीरों की तुलना में इसमें 37 फेसेट्स (पहलु) दिए गए हैं, जिससे यह हर एंगल से रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है और साधारण हीरों के मुकाबले कई गुना अधिक चमकदार दिखाई देती है। इस घड़ी के निर्माण में दुनिया की सबसे महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। घड़ी में कुल 298 सफेद हीरे जड़े गए हैं, जिनमें से 50 कैरेट के 98 एंजेल कट हीरे केवल बेजल में ही लगे हैं। इसका केस 18 कैरेट वाइट गोल्ड का बना है और इसका आकार 54 गु` णित 41 मिमी है, जो इसे देखने में और पहनने में बेहद प्रीमियम अनुभव देता है। घड़ी की मशीनरी भी उतनी ही खास है जितना कि इसका बाहरी हिस्सा। इसमें डबल फ्लाइंग टूरबिलन मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण के असर को कम कर समय को अत्यंत सटीक रूप से बताने में मदद करता है। जैकब एंड कंपनी ने इस घड़ी को बेहद दुर्लभ रखा है। दुनिया भर में इसके केवल 18 पीस ही बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि केवल दुनिया के सबसे अमीर 18 लोग ही इस नायाब घड़ी को पहन पाएंगे। यह घड़ी न केवल लक्ज़री का प्रतीक है, बल्कि तकनीकी परिष्कार और बेहतरीन डिज़ाइन का भी शानदार उदाहरण है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है और यह नई परियोजनाएं कंपनी की स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री। इसके अलावा एलटीसी और होम लोन पर टैक्स छूट पाने के लिए भी पैन जरूरी होगा। रकार ने बच्चों की ट्यूशन फीस पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हॉस्टल खर्च की छूट भी बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह छूट केवल दो बच्चों तक ही लागू होगी। लेकिन इन छूटों का लाभ पाने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य है। 1 अप्रैल के बाद एचआरए के तहत टैक्स छूट लेने के लिए मकान मालिक का नाम, पता और पैन कार्ड देना होगा। पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा किए जाने वाले दस्तावेज अब और सख्त होंगे। नए नियमों के अनुसार, पैन बनवाने के लिए अब आधार के साथ जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा। नया पैन कार्ड नाम के बिना जारी किया जाएगा और केवल संख्या और जरूरी जानकारी शामिल होगी। यह कदम धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने रेरा और उपभोक्ता कानून के दोहरे इस्तेमाल पर लगाई रोक

एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता

नई दिल्ली ।

सर्वोच्च न्यायालय ने मैसर्स काबरा ऐंड एसोसिएट्स बनाम रेखा राजकुमार हेमदेव एवं अन्य मामले में कहा है कि यदि कोई पक्ष रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (रेरा) के तहत राहत मांग रहा है, तो वह बाद में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उसी मामले के लिए उपभोक्ता अदालत का रुख नहीं कर सकता। अदालत ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का पिछला फैसला खारिज कर दिया। किंग स्टब्स ऐंड कासिवा के पार्टनर अमृता वर्षिणी श्रीधर ने बताया कि अदालत ने जोर देकर कहा कि दोनों कानून मकान खरीदारों को समाधान देते हैं, लेकिन एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। इसका उद्देश्य फोरम के अनावश्यक इस्तेमाल और मामलों की अधिकता को रोकना है। बीएमआर लीगल के पार्टनर शांकी अग्रवाल ने कहा कि अदालत ने समाधान चुनने के सिद्धांत पर दृढ़ता से जोर दिया है। इससे मकान खरीदारों के लिए विकल्प समाप्त नहीं होते, बल्कि फोरम चयन प्रारंभिक और बाध्यकारी बन जाता है। रेरा मुख्य रूप से मकान कब्जा देने में देरी, रिफंड के दावे, परियोजना खुलासे और बिल्डर के दायित्व जैसे मामलों से निपटता है। इसके क्षेत्रीय केंद्रों और विशेष प्रक्रिया के कारण यह रियल एस्टेट विवादों का तेज़ और व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। रेरा अधिकारी बिल्डरों को परियोजना समय-सारणी का पालन करने, ब्याज सहित रकम वापस करने और वैधानिक उल्लंघन सुधारने के निर्देश दे सकते हैं। एक्विलॉ की पार्टनर आस्था शर्मा ने बताया कि रेरा स्वीकृत योजनाओं को लागू कर सकता है, पांच साल के भीतर ढांचागत खामियों को ठीक करवाने और डिफॉल्ट करने वाले डेवलपर्स के लिए तीन साल तक की जेल जैसी कार्रवाई कर सकता है। यहां तक कि गैर-पंजीकृत परियोजनाओं में भी शिकायतों की जांच संभव है।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा।

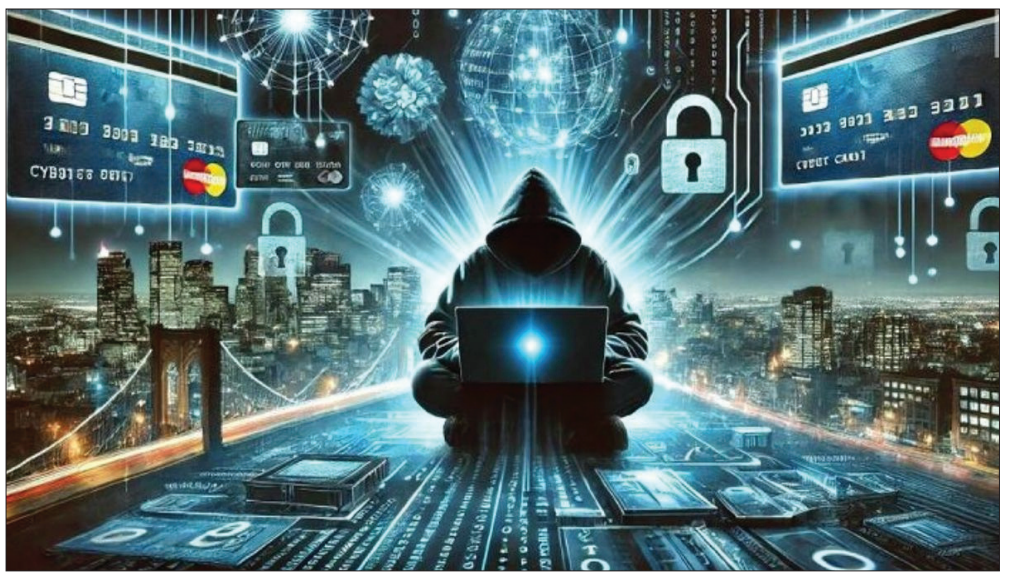

दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके।

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

संपादकीय

मितव्ययिता का दिखावा

इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से जूझ रहा है। लेकिन उससे उबरने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, उनकी तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नौकरशाहों के वेतन में कटौती का फैसला, बचत करने के एक सांकेतिक प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है। यदि इससे जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वास्तविकता सामने आ जाती है। मुख्यमंत्री के वेतन में पचास फीसदी, मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी तथा विधायकों के वेतन में बीस फीसदी की छह माह के लिये कटौती, आठ-दस हजार करोड़ रुपये के घाटे को कितना कम कर पाएगी? निश्चित रूप से राजस्व घाटे के अनुपात में यह बचत नगण्य ही होगी। हां, जनता को यह संदेश, उनके त्याग करने के रूप में पहुंचाने की कवायद जरूर होगी। यहां विचारणीय तथ्य यह है कि राज्य में यह वित्तीय संकट अचानक नहीं आया है। यह संरचनात्मक विसंगतियों की ही परिणति है। निर्विवाद रूप से केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान की वापसी ने संघीय हस्तांतरण पर राज्य की दीर्घकालीन निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस बीच वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे निश्चित व्यय बजट राज्य की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए हैं, जिसमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम रह गई है। ऐसे पर परिदृश्य में, वेतन में कटौती आर्थिक समाधान से अधिक एक राजनीतिक संकेत मात्र ही है। यह सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित किए बिना या स्थापित व्यय पद्धतियों का सामना किए बिना नैतिक रूप से श्रेष्ठ होने का दावा करने का अवसर देता है। निस्संदेह, राजकोषीय विवेक के लिये समय-समय पर कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मसलन सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, कर आधार का विस्तार करना और विकासोन्मुखी पूंजी निवेश को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। इसके बिना, अस्थायी समाधान शासन की एक नियमित लोकलुभावनी परिपाटी बनने का जोखिम भी बना रहेगा। यह घटनाक्रम संघीय राजकोषीय ढांचे के भीतर पहाड़ी राज्यों की नाजुक स्थिति पर भी सवाल उठाता है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।

बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

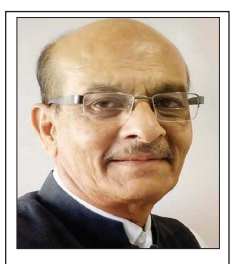

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला कर-के, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह खामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा। पिछले 47 वर्षों से अमेरिका और यूरोपीय देशों के निशाने पर ईरान था। सुनार की हथौड़ी की तरह कई वार ईरान ने सहे हैं। ईरान के हथौड़े की एक चोट ने अभी तक की सब चोटों का बदला ले लिया है। ऐसा लगता है, सोवियत रूस का जिस तरह से विघटन हुआ था। वही स्थिति अब अमेरिका की देखने को मिल रही है। सारे विश्व में अमेरिका की जो दादागिरी पिछले कई दशकों से चल रही थी। वह समाप्त होने की दिशा में अग्रसर है। वैश्विक व्यापार और युद्ध की पूरी रणनीति में वैश्विक बदलाव का समय आ गया है। अमेरिका इसको जितनी जल्दी समझ ले उतना ही अच्छा है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दशार्ता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है।

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया।

घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।

हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है। ऊर्जा संसाधनों पर हमले यह दशार्ते हैं कि दोनों पक्ष एक दूसरे को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

रुपये की कमजोरी भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयात महंगा हो जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यह स्थिति निवेशकों के लिए और अधिक चिंता का कारण बनती है क्योंकि इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इसी का एक उदाहरण है। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतें किस स्तर पर स्थिर होती हैं।

यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं होती है तो इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बाजार की चाल को समझकर ही निर्णय लेना होगा। यह संकट एक बार फिर यह सिखाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह हमारे आर्थिक जीवन को प्रभावित करती हैं और हमें हमेशा बदलती परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में देर रात 4.6 तीव्रता का आया भूकंप, एक ही दिन में दूसरी बार कांपी धरती

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शनिवार देर रात 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने दी है। एजेंसी के अनुसार, यह भूकंप रात 10:43 बजे (भारतीय समयानुसार) आया और इसकी गहराई करीब 82 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र देश के उत्तरी-पूर्वी हिस्से में स्थित था। इससे पहले शनिवार सुबह भी 4.5 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। उस झटके की गहराई लगभग 130 किलोमीटर बताई गई थी। लगातार आ रहे झटकों से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, अफगानिस्तान भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति बेहद संवेदनशील है। लंबे समय से संघर्ष और सीमित संसाधनों के कारण यहां की आबादी इन आपदाओं से उबरने में कठिनाइयों का सामना करती है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

ईरान में अपनी सेना उतारने की तैयारी में अमेरिका, रिपोर्ट में दावा- हजारों मरीन पहले ही हो चुके रवाना

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 23वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच एक बार फिर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पेंटागन ने ईरान में जरूरत पड़ने पर अमेरिकी जमीनी सेना (ग्राउंड ट्रूप्स) भेजने के लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना तब लागू हो सकती है जब डोनाल्ड ट्रंप आगे कोई बड़ा फैसला लेते हैं। हालांकि, अभी तक ट्रंप ने यह तय नहीं किया है कि किन हालात में वह सेना भेजने की मंजूरी देंगे। मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि पेंटागन का काम राष्ट्रपति को हर स्थिति के लिए तैयार रखना है। इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने ईरान में सेना भेजने का अंतिम फैसला कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल ग्राउंड ट्रूप्स भेजने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान में संभावित कार्रवाई के दौरान लोगों को पकड़ने और हिरासत में रखने की भी तैयारी शुरू कर दी है।

ईद की नमाज़ के बाद, अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलफ़ी को मारी गोली,

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलाफी की पाकिस्तान के मुरीदके स्थित मरकज़ तैयबा के अंदर कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर और चाकू से वार करके हत्या कर दी। यह हमला ईद की नमाज़ के ठीक बाद हुआ। मौके से सामने आए वीडियो में घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है, और सलाफ़ी खून से लथपथ ज़मीन पर पड़े हैं, जबकि लोग उन्हें उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। खबरों के मुताबिक, बिलाल आरिफ सलाफ़ी लश्कर-ए-तैयबा का एक ऊँचा कमांडर था। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में दावा किया गया है कि वह मुरीदके सेंटर में युवाओं को भर्ती करने वाला मुख्य व्यक्ति था, जिसकी ज़िम्मेदारी पूरे पाकिस्तान से युवाओं की पहचान करके उन्हें 'कश्मीर जिहाद' में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाना था। आरोप है कि उसने वैचारिक ट्रेनिंग देने के लिए 'मरकज़ तैयबा' को अपने अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया।

दावा-ईरान ने हीट ट्रैकिंग मिसाइल से अमेरिकी एफ-35 को गिराया

यह दुनिया का सबसे एडवांस फाइटर जेट, लेकिन ईरानी खतरे का अंदाजा नहीं लगा पाया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने 19 मार्च को दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को गिराने का दावा किया। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है।

यह सबसे प्रीमियम फाइटर जेट है, जिसे खास तौर पर इस तरह बनाया गया है कि वह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में भी बिना पकड़े घुसकर हमला कर सके। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने एफ-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि एफ-35 भले ही रडार से बचने में सक्षम हो, लेकिन उसके इंजन से निकलने वाली गर्मी को पूरी तरह छिपाया नहीं जा सकता। वहीं, अमेरिकी वेबसाइट सीएनएन ने भी सूत्रों के हवाले से बताया था कि ईरान के हमलों की वजह से एफ-35 को मिडिल ईस्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। दावा- सिर्फ 1 मिसाइल से गिराया स्र-35 ईरानी मीडिया के मुताबिक पहले यह माना जा रहा था कि स्र-35 को गिराने में 'तलाश' एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है। लेकिन अब कहा जा रहा है कि मजीद शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम ने ही एफ35 को गिराया है। मजीद डिफेंस सिस्टम रडार की बजाय इंफ्रारेड तकनीक पर काम करता है। ऐसे में एफ-35 के अंदर जो सेंसर और चेतावनी सिस्टम लगे होते हैं, वे इस खतरे को आसानी से पहचान नहीं पाते। एफ-35 के पास जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम होते हैं, वे आम तौर पर दुश्मन के रडार सिग्नल को जाम कर देते हैं। लेकिन यहां यह पूरी तरह बेकार साबित हुए। ईरान की ओर से जारी वीडियो के मुताबिक, इस हमले में सिर्फ एक मिसाइल ही काफी रही। इससे यह दिखाने की कोशिश की गई कि सिस्टम कितना सटीक है और एफ-35 की गर्मी वाली कमजोरी कितनी बड़ी है। मजीद एयर डिफेंस 6किमी दूरी तक निशाना लगा सकता है मजीद एयर डिफेंस सिस्टम को ईरान ने 2021 में पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया था। इसे खास तौर पर नजदीकी दूरी की सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह रडार पर निर्भर नहीं रहता, बल्कि इंफ्रारेड तकनीक का इस्तेमाल करता है। इसी वजह से ऐसे विमान जो रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए हैं, वे भी इसकी नजर से बच नहीं पाते। मजीद सिस्टम आम तौर पर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले टारगेट को पकड़ने के लिए बनाया गया है। इसकी मार करने की दूरी करीब 700 मीटर से लेकर 6 किलोमीटर तक मानी जाती है। इस वजह से यह उन हालात में ज्यादा कारगर होता है, जहां दुश्मन के विमान या ड्रोन को किसी खास इलाके के ऊपर आना पड़ता है। इसे 'पॉइंट डिफेंस' सिस्टम कहा जाता है, यानी यह एयरबेस, सैन्य ठिकानों, रडार स्टेशन या किसी महत्वपूर्ण इमारत जैसी जगहों की सीधी सुरक्षा के लिए तैनात किया जाता है। यह सिस्टम आमतौर पर मोबाइल प्लेटफॉर्म पर लगाया जाता है, यानी इसे जरूरत के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जल्दी शिफ्ट किया जा सकता है। इससे दुश्मन के लिए इसकी सही लोकेशन पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

क्या ईरान युद्ध के बीच ताइवान पर हमला करेगा चीन? द्वीप के पास ही मंडरा रहे युद्धपोत

बीजिंग, एजेंसी। ईरान संकट के बीच चीन के ताइवान पर हमला करने की आशंका जानकार पहले से ही जता रहे हैं। इसी बीच चीनी सेना के कुछ युद्धपोत ताइवान के समंदर में देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, रविवार को सुबह 6 बजे के आसपास ताइवान के समंदर में 6 छह और 1 आधिकारिक चीनी जहाज देखा गया है। स्थिति के मुताबिक प्रतिक्रिया दी गई है। हालांकि इस दौरान कोई चीनी लड़ाकू विमान नहीं देखा गया है।

इससे पहले शनिवार को ताइवान ने कहा था कि उसके आसपास चीन के 8 युद्धपोत और दो एयरक्राफ्ट देखे गए हैं। बता दें कि चीन लंबे समय से ताइवान पर दावा करते आया है। हालांकि ताइवान अब तक अपनी संप्रभुता बचाने में कामयाब है। यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा भी है। 15 मार्च को भी ताइवान ने द्वीप के पास चीनी सैन्य विमानों की जानकारी दी थी।

ताइवान ने कहा था कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।

ताइवान ने 27 फरवरी से पांच मार्च तक एक सप्ताह के दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान के मध्य रेखा को पार करके क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना नहीं दी। छह मार्च को दो मामले सामने आने के बाद, अगले चार दिनों तक कोई मामला नहीं आया। ताइवान की सेना ने पहले संकेत दिया था कि चीनी युद्धक विमानों की गतिविधि में कमी के कारण वह अपनी रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने इससे पहले कहा था कि सैन्य उड़ानों में कमी आने के बावजूद चीन की नौसेना आसपास के जलक्षेत्र में सक्रिय बनी हुई है। बीते दिनों ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कार्यकर्ताओं को चीन में कड़ी सजा दी गई थी। राष्ट्रीय संसद सत्र में विचार-विमर्श के लिए जमा की गई रिपोर्ट के अनुसार, चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए कट्टर 'ताइवान की स्वतंत्रता' के अलगाववादियों को कानून के अनुसार सज़ा दी गई है।

ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक, होर्मुज पर ईरान के खिलाफ हुए ये 22 देश; सख्त कार्रवाई की दी धमकी

लंदन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच 22 देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में होर्मुज के पास-पास ईरान की हालिया गतिविधियों पर कड़ा ऐतराज जताया गया है। संयुक्त बयान जारी करने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन, लिथुआनिया और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

साझा बयान में कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर ईरान के हमले बेहद निंदनीय हैं। ईरानी सेना ने तेल और गैस संयंत्रों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को हकीकत में बंद कर देना एक गंभीर मुद्दा है। इन देशों ने बढ़ते संघर्ष पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है।

इन देशों ने ईरान से मांग की है कि वह अपनी धमकियां तुरंत बंद करे। वे चाहते हैं कि ईरान समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाना, ड्रोन और मिसाइल हमले करना और व्यापारिक जहाजों का रास्ता रोकना बंद कर दे। बयान में ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पालन करने की सलाह दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, समुद्र में जहाजों की आवाजाही की आजादी एक बुनियादी अधिकार है। ईरान के इन कदमों का बुरा असर पूरी दुनिया के लोगों पर पड़ेगा, खासकर उन पर जो सबसे ज्यादा कमजोर हैं। व्यापारिक जहाजों के रास्ते में दखल देना और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इन देशों ने नागरिक ठिकानों और तेल-गैस संयंत्रों पर हमलों को रोकने के लिए तत्काल पूर्ण रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित निकलने लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईइए) ने आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार जारी करने का फैसला किया है, जिसका इन देशों ने स्वागत किया है।

मस्क ने ट्विटर के दाम गिरा जानबूझकर निवेशकों को दिया धोखा, अदालत की ज्यूरी ने माना दोषी; कुछ आरोपों में बरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ज्यूरी ने एलन मस्क को ट्विटर (अब एक्स) के शेयर के दाम जानबूझकर गिराकर निवेशकों को धोखा देने का दोषी पाया है। यह धोखाधड़ी 2022 में 44 अरब डॉलर में ट्विटर कंपनी के अधिग्रहण से पहले के उथल-पुथल भरे महीनों में की गई। हालांकि, ज्यूरी ने उन्हें कुछ धोखाधड़ी के आरोपों से बरी कर दिया। सैन फ्रांसिस्को में चला यह दीवानी केस मस्क द्वारा ट्विटर का नियंत्रण लेने से ठीक पहले दायर सामूहिक मुकदमे पर केंद्रित था। ज्यूरी को यह तय करना था कि क्या मई 2022 में मस्क द्वारा किए गए दो ट्वीट और एक पॉडकास्ट पर आई टिप्पणियां ट्विटर के शेयरधारकों को जानबूझकर धोखा देने के बराबर थीं, जिन्होंने मस्क के बयानों के आधार पर अपने शेयर बेच दिए थे। 100 सदस्यीय ज्यूरी ने चार दिनों के विचार-विमर्श के बाद फैसला सुनाया, जो 2 मार्च को शुरू हुए मुकदमे के करीब तीन सप्ताह बाद आया है। ज्यूरी ने कहा, मस्क दो ट्वीट निवेशकों को गुमराह करने के लिए उत्तरदायी थे। ज्यूरी ने यह भी माना कि अरबपति कारोबारी की मंशा ट्विटर के दाम घटाने की थी।

प्रति शेयर हर दिन तीन से आठ डॉलर का हर्जाना : अमेरिकी ज्यूरी ने शेयरधारकों को प्रति शेयर प्रतिदिन लगभग 3 से 8 डॉलर के बीच हर्जाना दिया। इसे वादी के वकीलों ने करीब 2.1 अरब डॉलर के स्टॉक और 50 करोड़ डॉलर के विकल्प के बराबर बताया। मस्क की संपत्ति का वर्तमान अनुमान लगभग 814 अरब डॉलर है, जिसका अधिकांश हिस्सा टेस्ला के शेयरों में लगा हुआ है।

निवेशकों व बाजारों के लिए अहम फैसला : वादी पक्ष के वकील मार्क मोलम्फी ने कहा, यह न केवल ट्विटर के निवेशकों के लिए, बल्कि सार्वजनिक बाजारों के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीत है। वह बोले, मुझे लगता है कि ज्यूरी का फैसला एक कड़ा संदेश देता है कि भले ही आप अमीर और शक्तिशाली व्यक्ति हों, आपको कानून का पालन करना ही होगा, और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। मस्क की कानूनी टीम ने मस्क द्वारा जीते गए अन्य मामलों का हवाला दिया और कहा कि वे अपील करेंगे।

ट्विटर पर बॉट्स की संख्या गलत बताई : कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के सैन फ्रांसिस्को संघीय कोर्ट में लगभग तीन सप्ताह तक चले इस मुकदमे में सीईओ पराग अग्रवाल और सीएफओ नेड सेगल सहित ट्विटर के पूर्व अधिकारियों के साथ-साथ मस्क ने भी गवाही दी। मस्क ने गवाही में कहा कि ट्विटर के नेतृत्व ने बॉट्स की संख्या पर झूठ बोला और फर्जी खातों की संख्या की गणना की जानकारी भी उनसे जानकारी छिपाई। उन्होंने ट्विटर बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी को एक बैल के मल-मूत्र के संक्षिप्त रूप से वर्णित किया।

ईरान से प्यार है, तो वहीं चले जाओ': पाकिस्तान में रह रहे शिया समुदाय को आसिम मुनीर की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 22वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब पाकिस्तान में इसी संबंध में बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसका कारण पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और सेना प्रमुख मार्शल आसिम मुनीर का पाकिस्तान में रह रहे शिया समुदायों को खुली धमकी है। दरअसल पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रावलपिंडी में एक इफ्तार कार्यक्रम के दौरान शिया धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने धमकी भरे अंदाज में कहा कि अगर आपको ईरान इतना पसंद है, तो आप वहां चले जाएं। इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया है। शिया धर्मगुरुओं का कहना है कि इससे पूरे समुदाय को गलत तरीके से निशाना बनाया गया है। खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान में प्रदर्शन बता दें कि मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब बीते दिनों अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमले में वहां के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद पाकिस्तान में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई, जिसके बाद सेना प्रमुख ने चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिया नेताओं का आरोप मुनीर के इस बयान के बाद शिया नेताओं का आरोप है कि मुनीर ने इन प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहराया, जो गलत और अपमानजनक है। शिया धर्मगुरु मुहम्मद शिफा नजफी ने भी इस पर आपत्ति जताई और कहा कि पूरे समुदाय को एक साथ दोषी ठहराना सही नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान की स्थापना करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना भी शिया थे और देश में शिया समुदाय की अहम भूमिका रही है। पाकिस्तान की बदलती विदेश नीति भी समझिए गौरतलब है कि पाकिस्तान में शिया समुदाय करीब 15% आबादी का हिस्सा है और ईरान के बाद यहां उनकी सबसे बड़ी संख्या है।

'मैं खुश हूं, वो मर गया', FBI के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर के निधन पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मुलर ने 9/11 के हमलों के बाद एफबीआई को आतंकवाद-रोधी एजेंसी के रूप में बदलने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें विशेष वकील के रूप में रूस और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति अभियान के बीच संबंधों की जांच का नेतृत्व करने के लिए जाना गया। मुलर के निधन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मुलर के निधन पर कहा, 'रॉबर्ट मुलर का निधन हो गया है। अच्छा है, मुझे खुशी है कि वह मर गया।' उन्होंने आगे कहा, 'वह अब निर्दोष लोगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते।' कैसा रहा एफबीआई में मुलर का कार्यकाल? रॉबर्ट मुलर ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों से ठीक एक सप्ताह पहले एफबीआई निदेशक का पद संभाला था। इस घटना ने तुरंत ही एफबीआई के प्राथमिक लक्ष्य को घरेलू अपराधों को सुलझाने से बदलकर आतंकवाद को रोकने की ओर मोड़ दिया। इस बदलाव ने मुलर और संघीय सरकार के सामने एक अत्यंत कठिन चुनौती पेश की, जहां 100 में से 99 आतंकवादी हमलों को रोकना भी पर्याप्त नहीं माना जाता था। अपने 12 साल के कार्यकाल के दौरान, मुलर ने एफबीआई के मिशन को 21वीं सदी की कानून प्रवर्तन आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्गठित किया। उन्होंने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के राष्ट्रपतियों के अधीन सेवा की और रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश द्वारा उन्हें नामित किया गया था। रूस जांच में

विशेष वकील की भूमिका एफबीआई निदेशक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद मुलर ने सार्वजनिक सेवा में वापसी की। उन्हें उप अटॉर्नी जनरल रॉड रोसेनस्टीन द्वारा ट्रंप-रूस जांच के लिए विशेष वकील नियुक्त किया गया था। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या ट्रंप के चुनावी अभियान ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए रूस के साथ अवैध रूप से समन्वय किया था। मुलर के नेतृत्व में उनकी टीम ने लगभग दो साल तक इस अहम जांच को गुप्त रूप से संचालित किया। उन्होंने कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की और जांच के दौरान कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, भले ही उन्हें ट्रंप और उनके समर्थकों से हमलों का सामना करना पड़ा। रूस जांच की रिपोर्ट और विवाद अप्रैल 2019 में जारी की गई 448 पन्नों की मुलर रिपोर्ट में ट्रंप के चुनावी अभियान और रूस के बीच महत्वपूर्ण संपर्कों का पता चला, लेकिन किसी आपराधिक साजिश का आरोप नहीं लगाया गया। रिपोर्ट में ट्रंप द्वारा जांच को नियंत्रित करने और उसे समाप्त करने के प्रयासों का विवरण दिया गया था। हालांकि, मुलर ने यह तय करने से इनकार कर दिया कि क्या ट्रंप ने कानून तोड़ा है।

इजरायल में डिमोना के पास मिसाइल दुर्घटना के बाद विकिरण के खतरे की आशंका नहीं: आईएईए

वियना, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि वह डिमोना में मिसाइल घटना की खबरों पर करीबी नजर रख रही है। इज़रायल के संवेदनशील परमाणु अनुसंधान ढांचे में किसी भी तरह का नुकसान नहीं पाया गया है। एजेंसी ने सोशल साइट एक्स पर दिए बयान में कहा कि उसे शहर में मिसाइल के प्रभाव से जुड़ी रिपोर्टों की जानकारी है लेकिन उसे 'नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी नुकसान का कोई संकेत नहीं मिला है।' यह केंद्र व्यापक रूप से इज़रायल के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा माना जाता है। आईएईए ने बताया कि क्षेत्रीय देशों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद किसी भी असामान्य विकिरण स्तर का पता नहीं चला है। महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने 'अधिकतम सैन्य संयम' बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। खासकर परमाणु सुविधाओं के आसपास ताकि ऐसी किसी भी स्थिति से बचा जा सके जो परमाणु सुरक्षा संकट का कारण बन सकती है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान में परमाणु ढांचे पर नए हमलों की खबरें सामने आई हैं। आईएईए ने शनिवार को पहले कहा था कि उसे ईरानी अधिकारियों द्वारा नतांज परमाणु सुविधा पर हमले की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने पुष्टि की है कि वह स्थिति की जांच कर रही है और उसे बाहरी क्षेत्रों में विकिरण स्तर बढ़ने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ग्रोसी ने एक बार फिर संयम बरतने की अपील दोहराई और चेतावनी दी कि परमाणु स्थलों के पास जारी सैन्य कार्रवाइयों से गंभीर और संभावित रूप से अपरिवर्तनीय परिणाम हो सकते हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार दिन में पहले नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा पर हुए हमले के लिए अमेरिका और इज़राइल जिम्मेदार थे। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि कोई

रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोग खतरे में नहीं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी से शुरू हुए कथित अमेरिका-इज़राइल संयुक्त अभियान के बाद से ईरान की परमाणु सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया गया है। सप्ताह की शुरुआत में फारस की खाड़ी तट पर बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास भी हमलों की खबरें आई थीं। ईरानी अधिकारियों ने इसे परमाणु से जुड़े स्थलों पर तीसरी ऐसी घटना बताया, इससे पहले नतांज और इस्फहान पर हमले हो चुके हैं। तेहरान ने आईएईए से इन कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करने की अपील की है और चेतावनी दी है कि परमाणु ढांचे के पास लगातार हमले 'बहुत गंभीर और चिंताजनक स्थिति' पैदा कर सकते हैं, जिसके वैश्विक प्रभाव हो सकते हैं।

ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक रिहा, विदेश मंत्री मोतेगी ने की पुष्टि

तेहरान, एजेंसी। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को कहा कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है और वह जापान लौट रहा है। मोतेगी ने कहा कि उस व्यक्ति को पिछले साल से हिरासत में रखा गया था और बुधवार को उसे रिहा कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि एक अन्य जापानी नागरिक, जिसे इस साल की शुरुआत में गिरफ़्तार किया गया था, अभी भी हिरासत में है। ईरान में अभी भी हिरासत में मौजूद व्यक्ति की पहचान जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके के एक पत्रकार के रूप में की गई है।

दूसरे नशे को भी आमंत्रित करता है धूम्रपान

किशोरावस्था में ही सिगरेट या बीड़ी को मुँह से लगाते ही स्वास्थ्य संबंधी कई जोखिम भी साथ हो लेते हैं। सबसे पहला असर श्वसन प्रणाली पर पड़ता है। यहीं से निकोटीन की लत की शुरुआत भी हो जाती है। इस उम्र में धूम्रपान शुरू करने का एक और बड़ा खतरा यह है कि जो किशोर नियमित रूप से कुछ अर्से तक इसे पीने लगते हैं वे वयस्क होने पर भी अपनी आदत पर कायम रहते हैं।

धूम्रपान करने वालों के फेफड़े हमेशा उन लोगों से कम काम करते हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। धूम्रपान करने वाले जिन वयस्कों को दिल की बीमारी घेरती है उसकी नींव किशोरावस्था में किए गए धूम्रपान के दौरान ही रखी जाती है। युवावस्था में गले पड़ी धूम्रपान की लत न तो शरीर ही ठीक रहने देती और न ठीक से काम करने देती है। जो युवा धूम्रपान नहीं करते उनकी तुलना में धूम्रपान करने वालों की रेस्टिंग हार्ट बीट हमेशा अधिक पाई जाती है।

फेफड़े के कैंसर का जोखिम भी युवावस्था में धूम्रपान करने वालों को दूसरों की तुलना में अधिक होता है। धूम्रपान करने वाले युवाओं की साँस जल्दी उखड़ जाती है। उन्हें दूसरे युवाओं की अपेक्षा बलगम भी अधिक बनता और निकलता है। धूम्रपान करने वाले युवाओं में शराब की लत लगने का जोखिम तीन गुना अधिक होता है। इसकी आशंका आठ गुना अधिक होती है कि वे गाँजे का सेवन भी शुरू कर दें। 22 गुना आशंका रहती है कि वे कोकीन का उपयोग भी करने लगेंगे।

फिलहाल अध्ययनों से पता चला है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत तथा महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है। धूम्रपान करने वाले 50 प्रतिशत लोग इसी वजह से दम तोड़ देते हैं। 25-69 के आयु समूह में मरने वालों में 25 प्रतिशत धूम्रपान के कारण मर जाते हैं। धूम्रपान करने वालों को टीबी के कीटाणु लगने का जोखिम दूसरों की बनिस्बत चार गुना अधिक होता है।

डिप्रैशन कम करे एक्सरसाइज

एक्सरसाइज करने से सिर्फ हमारा शरीर ही नहीं, बल्कि दिमाग भी फिट रहता है। एक्सरसाइज से डिप्रैशन कम होता है, यह तो साबित हो चुका है, पर साइंटिस्ट यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि एक्सरसाइज से डिप्रैशन के कम होने के पीछे वजह क्या है। एक ताजा रिसर्च में पाया गया है कि एक्सरसाइज करने से दिमाग में नए सैल्स बनते हैं। डिप्रैशन कम होने की वजह यही नए सैल्स हो सकते हैं। स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के एस्ट्रिड ब्यौनबर्क और उनके साथियों ने चूहों पर इस रिसर्च को अंजाम दिया। उन्होंने आनुवांशिकी प्रभाव के तहत डिप्रैशन के लक्षण दिखाने वाले चूहों पर 30 दिनों तक रिसर्च की। इनमें से कुछ चूहों को फिजिकल एक्सरसाइज देने के मकसद से रनिंग व्हील में रखा गया। इसके बाद साइंटिस्ट्स ने सभी चूहों का एक स्विम टैस्ट लिया। ऐसे चूहे जिन्होंने फिजिकल एक्सरसाइज नहीं की थी, वे ज्यादा समय तक पानी में शांत पड़े रहे। दूसरी ओर रनिंग व्हील में रखे गए चूहे पानी में काफी जोश से तैरते नजर आए।

ब्यौनबर्क ने बताया कि 30 दिन तक रनिंग व्हील में रखे गए चूहों में डिप्रैशन का प्रभाव कम दिखाई दिया। रिसर्चर्स ने लर्निंग और मैमरी से जुड़े दिमाग के हिप्पोकैंपस हिस्से का भी परीक्षण किया। इससे कुछ चौंकाने वाले परिणाम सामने आए।

रनिंग व्हील में डाले गए चूहों के दिमाग में न्यूरॉन्स की संख्या बढ़ गई थी। पिछले अध्ययनों से पता चला था कि डिप्रैशन के दौरान दिमाग का हिप्पोकैंपस हिस्सा सिकुड़ जाता है, जिससे कई तरह की मानसिक समस्याएं होती हैं।

हेल्थ प्लस

आदमी चिंताओं का पुतला

आधुनिक जीवन में व्यक्ति अनेक चिंताओं से ग्रसित है, जैसे परिवार की चिंता, आपसी स्त्री-पुरुषों के संबंध, आत्मसम्मान को बनाए रखना, लोग क्या कहेंगे, बच्चों का भविष्य, महँगाई में जीवन जीना, आतंकवाद, आपसी परिवार में संबंध, वजन बढ़ने या घटाने की चिंता, काम-धंधे के उतार-चढ़ाव को लेकर चिंता, बुढ़ा होने की चिंता, स्वास्थ्य व भविष्य के प्रति चिंता और सो गए तो उठने की चिंता उठ गए तो हजारों तरह की आदि अनेक बातों से व्यक्ति घिरा हुआ हैं।

सभी तरह की चिंताओं से चिंतित रहने से क्या कोई लाभ मिला? चिंता करने से भी जीवन में कोई बदलाव नहीं हुआ और नहीं करने से भी। जबकि चिंतित रहने से हमने अपनी चिंतन शक्ति को खोया, आत्म विश्वास को खोया और दोनों के खो जाने से सबकुछ खोया। तो क्यों न सभी तरह की समस्याओं को ताक में रखकर हम खुश रहते हुए योग करें जो हमें चिंताओं से दूर करें।

नाड़ीशोधन प्राणायाम : कमर-गर्दन सीधी रखकर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी गहरी श्वास लेकर दूसरे स्वर से निकालें, फिर उसी स्वर से श्वास लेकर दूसरी नाक से छोड़ें। 10 बार यह प्रक्रिया करें।

इसका लाभ : चिंता से घिरे व्यक्ति की श्वासें उखड़ी-उखड़ी रहती है जिसके कारण मस्तिष्क में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सिजन संचार नहीं हो पाता और व्यक्ति अशांत रहता है। तो नाड़ी शोधन प्राणायाम से सर्वप्रथम तो हमें अपनी श्वासों को ही सही गति और दिशा देना होगी। इससे हृदय और मस्तिष्क में शांति मिलती है।

ध्यान : आँखें बंद कर मन को सामान्य श्वास-प्रश्वास पर लगाते हुए श्वास भीतर आने और श्वास बाहर निकालते समय नासाग्र पर ध्यान दें। ऐसा लगभग 5 से 10 मिनट करें। यह ध्यान की सामान्य प्रक्रिया है। आप चाहें तो आँखें बंद कर सिर्फ श्वांसों के आवागमन पर ही ध्यान देते रहे।

इसका लाभ : ध्यान करते रहने से हमारे मस्तिष्क में ऑक्सिजन का भरपूर संचार होता है और मन-मस्तिष्क पूर्णत: शांत रहता है। यदि मस्तिष्क शांत है तो व्यक्ति निश्चिंत जीवन शैली को अपनाता है। ध्यान करते रहने से शक्ति और आत्मविश्वास का अहसास होने लगता है।

ब्रह्ममुद्रा : वज्रासन में या कमर सीधी रखकर बैठें और गर्दन को 10 बार ऊपर-नीचे चलाएँ। दाएँ-बाएँ 10 बार चलाएँ और 10 बार सीधे-उल्टे घुमाएँ।

इसका लाभ : ब्रह्ममुद्रा से हमारे चेहरे पर जवानी बनी रहती है। जिन लोगों को सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, थाइराइड ग्लांट्स की शिकायत है उनके लिए यह आसन लाभदायक है। इससे गर्दन की माँसपेशियाँ लचीली तथा मजबूत होती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह आसन लाभदायक है।

मार्जायासन : इसे मार्जारी आसन भी कहते हैं। चौपाये (गाय या भैस) की तरह घुटने के बल होकर गर्दन और कमर को ऊपर-नीचे 10 बार चलाना चाहिए। इसके बाद पुठ्ठों को आगे-पीछे करते हुए क्लाक वाइज और एंटी क्लाक वाइज घुमाएँ।

इसका लाभ : यह पेट, कमर, गर्दन, कंधें, रीढ़ की हड्डी के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही यह यौन रोग से भी बचाकर यौन शक्ति बढ़ाता है। मार्जारी आसन पीठ और कमर की मांसपेशियों के तनाव को कम करने में सहायक है। इससे रीढ़ की तंत्रिकाओं में स्फूर्ति आती है।

उष्ट्रासन : घुटनों पर खड़े होकर पीछे झुकते हुए एड़ियों को दोनों हाथों से पकड़कर गर्दन पीछे झुकाएँ और पेट को आगे की तरफउठाएँ। 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : इस आसन से घुटने, ब्लडर, किडनी, छोटी आँत, लीवर, छाती, लंग्स एवं गर्दन तक का भाग एक साथ प्रभावित होता है, जिससे कि उपर्युक्त अंग समूह का व्यायाम होकर उनका निरोगीपन बना रहता है। श्वास, उदर, पिंडलियों, पैरों, कंधे, कुहनियों और मेरुदंड संबंधी रोग में लाभ मिलता है। उदर संबंधी रोग, जैसे कॉस्ट्रयूपेशन, इनडाइजेशन, एसिडिटी रोग निवारण में इस आसन से सहायता मिलती है। गले संबंधी रोगों में भी यह आसन लाभदायक है।

शशकासन : शशक का अर्थ होता है खरगोश। इस आसन को करते वक्त खरगोश की आकृति-सी स्थिति हो जाती है। वज्रासन में बैठकर सामने झुककर 10-15 बार श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : हृदय रोगियों के लिए यह आसन लाभकारी है। पेट, कमर व कूल्हों की चर्बी कम कर आँत, यकृत, अग्न्याशय व गुर्दो को बल प्रदान करता है। तनाव, क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि को दूर करता है।

मत्स्यासन : वज्रासन या पद्मासन में बैठकर कोहनियों की मदद से पीछे झुककर गर्दन लटकाते हुए सिर के ऊपरी हिस्से को जमीन से स्पर्श करें और 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : इससे आँखों की रोशनी बढ़ती है। गला साफ रहता है तथा छाती और पेट के रोग दूर होते हैं। रक्ताभिसरण की गति बढ़ती है, जिससे चर्म रोग नहीं होता। दमे के रोगियों को इससे लाभ मिलता है। पेट की चर्बी घटती है। खाँसी दूर होती है।

सर्वांगासन : पीठ के बल लेटकर हाथों की मदद से पैर उठाते हुए शरीर को काँधों पर रोकें। 10- 15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : थायराइड एवं पिच्युटरी ग्लैंड के मुख्य रूप से क्रियाशील होने से यह कद वृद्धि में लाभदायक है। दमा, मोटापा, दुर्बलता एवं थकानादि विकार दूर होते है। इस आसन का पूरक आसन मत्स्यासन है, अत: शवासन में विश्राम से पूर्व मत्स्यासन करने से इस आसन से अधिक लाभ प्राप्त होते हैं।

भुजंगासन : पीठ के बल लेटकर हथेलियाँ कंधों के नीचे जमाकर नाभि तक उठाकर 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : यह आसन फेफड़ों की शुद्धि के लिए भी बहुत अच्छा है और जिन लोगों का गला खराब रहने की, दमे की, पुरानी खाँसी अथवा फेंफड़ों संबंधी अन्य कोई बीमारी हो, उनको यह आसन करना चाहिए। इससे पेट की चर्बी घटाने में भी मदद मिलती है और आयु बढ़ने के कारण से पेट के नीचे के हिस्से की पेशियों को ढीला होने से रोकने में सहायता मिलती है।

धनुरासन : पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़कर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 श्वास-प्रश्वास करें।

इसका लाभ : धनुरासन पेट की चर्बी तेजी से घटाने में मददगार है। इससे सभी आंतरिक अंगों, मांसपेशियों और जोड़ों का व्यायाम हो जाता है। गले के तमाम रोग नष्ट होते हैं। पाचन शक्ति बढ़ती है। इससे कब्ज की समस्या दूर होती है और पाचन क्रिया में सुधार होता है. लीवर की कार्यक्षमता नियमित होती है और अग्नाशय और एड्रिनल ग्रंथी भी उचित स्राव करने लगती है।

शवासन : पीठ के बल लेटकर, शरीर ढीला छोड़कर 10-15 श्वास-प्रश्वास लंबी-गहरी श्वास लेकर छोड़ें तथा 30 साधारण श्वास करें और आँखें बंद रखें।

इसका लाभ : आंतरिक अंग सभी तनाव से मुक्त हो जाते हैं, जिससे कि रक्त संचार सुचारु रूप से प्रवाहित होने लगता है। और जब रक्त सुचारु रूप से चलता है तो शारीरिक और मानसिक तनाव घटता है। खासकर जिन लोगों को उच्च रक्तचाप और अनिद्रा की शिकायत है, ऐसे मरीजों को शवासन अधिक लाभदायक है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2028

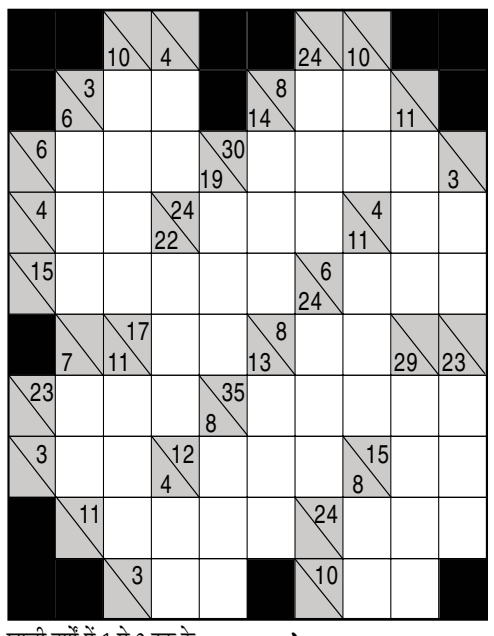

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

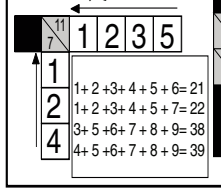

काकुरो - 2027 का हल

■	9	24	■	30	8	■	29	3
8	1	7	7	6	1	6	5	1
17	8	9	15	8	7	23	7	2
■	23	8	6	9	17	9	8	10
■	■	9	2	7	19	6	9	4
■	4	3	1	17	9	8	3	2
3	1	2	8	1	7	■	10	3
7	3	4	13	5	8	8	7	1
■	7	1	4	2	15	6	9	■
■	■	4	1	3	9	1	8	■

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

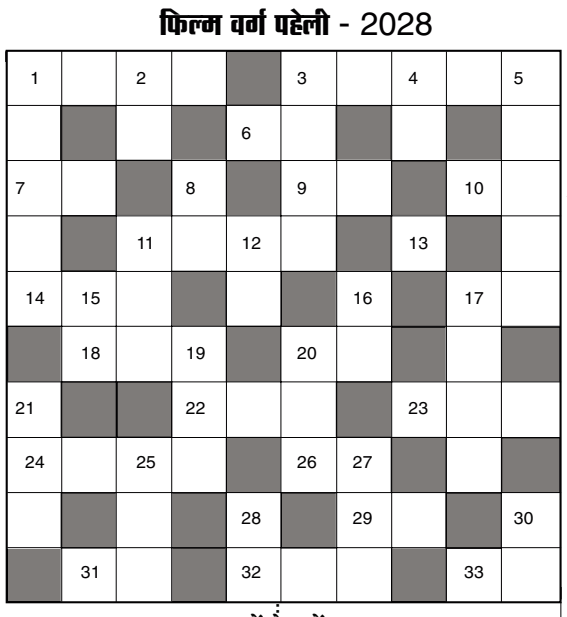

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन-मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2027

बं	दि	नी	■	पु	■	गैं	ब	ल	र
ध	■	ल	ल	का	र	■	हा	■	वी
न	सी	म	■	र	■	प	र	वा	ना
■	मा	■	श	■	सु	र	■	सु	■
आ	■	आ	शि	क	■	दे	वी	■	ह
ह	मे	शा	■	ह	व	स	■	स	त्या
■	ला	■	आ	र	जू	■	खे	ल	■
बे	■	ला	वा	■	द	स	■	मा	या
खु	■	■	रा	जू	■	फ	र्ज	■	रा
दी	वा	ने	■	ली	ड	र	■	टी	ना

सूडोकु -2028

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2027 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 2028

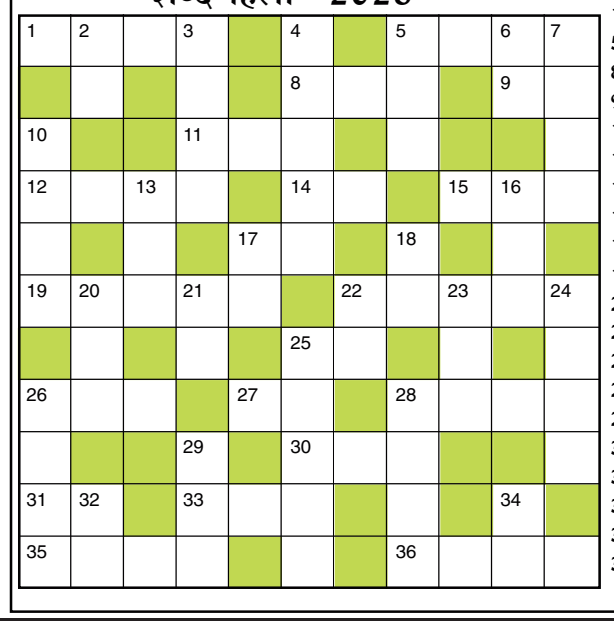

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली -2027 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	धा	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	रा	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	धा	■	ना	ब	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	च	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	शा	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	य	श	■	का	रा	वा	स	■	हो
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	व	धु	■

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अहम सुनवाई, डीएम-एसएसपी पेश नहीं हुए तो जारी होगा गैर जमानती वारंट

एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट में बरेली के एक घर के अंदर सामूहिक नमाज पढ़ने के मामले में सोमवार को अहम सुनवाई होने वाली है। इस मामले में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को कोर्ट में पेश होना है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने साफ तौर पर दोनों अधिकारियों को उपस्थित होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि अगर 23 मार्च को वे पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) जारी किया जाएगा। दरअसल, यह मामला याची तारिक खान की याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उनके घर में सामूहिक नमाज़ पढ़ने के दौरान पुलिस ने रोकटोक की और बाद में नमाज अदा कर रहे लोगों को गिरफ्तार कर लिया। याचिकाकर्ता तारिक खान का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। हाईकोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि किसी भी निजी परिसर में प्रार्थना के लिए प्रशासनिक अनुमति की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद, याची और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट ने पूरे प्रकरण को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए पुलिस के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों को अदालत के आदेश का पालन करना अनिवार्य है।

उत्तराखंड की धामी सरकार के चार साल पूरे, मुख्यमंत्री ने दोहराई प्रदेशवासियों के प्रति प्रतिबद्धता

देहरादून । उत्तराखंड की धामी सरकार ने सोमवार को अपने कार्यकाल के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनकी सरकार राज्य के सतत विकास और लोगों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि राज्य आंदोलनकारियों के सपनों को साकार करने और प्रदेश के करीब सवा करोड़ लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए उनकी सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। सीएम ने अपने संदेश में 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर जोर दिया। उनका कहना है कि राज्य में विकास और पर्यावरण (इकोनॉमी और इकोलॉजी) के बीच संतुलन बनाकर काम किया जा रहा है, ताकि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान बनी रहे। साथ ही, लोगों को बेहतर सुविधाएं भी मिलें। इस खास मौके पर सीएम धामी ने एक पत्र भी साझा किया, जिसमें उन्होंने प्रदेशवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों में सरकार ने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे अहम क्षेत्रों में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित गांव में हुआ विस्फोट, जांच जारी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के एक गांव में सोमवार को एक घर के बाहर एक रहस्यमय विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट की सही प्रकृति का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के घगवाल सेक्टर के गावाला तालाब गांव में सरपंच जयराम शर्मा के घर के बाहर रविवार रात 2 बजे विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि गवाला तालाब गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। विस्फोट में घर का गेट और चारदीवारी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें गांव पहुंचीं और विस्फोट स्थल से नमूने लेकर विस्फोट की सही जानकारी पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस घटना के संबंध में संबंधित पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। केंद्रशासित प्रदेश में स्थित 240 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा सांबा, कठुआ और जम्मू जिले में स्थित है। अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा की जाती है। बीएसएफ के जवान सीमा के पाकिस्तानी हिस्से से होने वाली घुसपैठ, निकासी, मादक पदार्थों की तस्करी और ड्रोन गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात हैं।

जौनपुर में गोतस्कर और पुलिस में मुठभेड़, एक आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर । उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपए का इनामी गोतस्कर आरिफ घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ प्रतिमा वर्मा ने बताया कि इस कार्रवाई को मीरगंज और मछलीशहर पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरिफ के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू में कर लिया गया जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि घटना रविवार रात 10:45 बजे की है। मीरगंज थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज जंघई अपनी टीम के साथ गोधना बाजार में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि बंधवा बाजार से जंघई की ओर दो संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर भाग रहे हैं, जिनका पीछा मछलीशहर पुलिस कर रही है। सूचना मिलते ही मीरगंज पुलिस सक्रिय हो गई और बंधवा की दिशा में घेराबंदी शुरू कर दी।

बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए, आपके परिवार की सुरक्षा, सम्मान सरकार के जिम्मे : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । 'आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए। आपके परिवार समेत प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा, सहूलियत, सुरक्षा और सम्मान सरकार के जिम्मे है। सरकार इसे लेकर पहले दिन से गंभीर है।' ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों से कहीं। मुख्यमंत्री ने सैनिकों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए। सरकार हर समस्या का उचित निराकरण कराएगी। 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता व स्थानांतरण आदि से जुड़े मामले भी आए। सीएम ने एक-एक कर सबकी समस्याओं को सुना, प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को समय सीमा के अंदर उनके उचित निस्तारण का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में कई जनपदों से सैनिक भी आए। इनमें से कुछ मामले जमीनी विवादों के भी थे। सीएम योगी ने इनके

प्रार्थना पत्र लिए और स्थानीय जिला-प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों से संपर्क करें। उनकी समस्याओं का हर हाल में समयसीमा के अंदर उचित निराकरण कराएं और पीड़ित परिवार को संतुष्ट करें। 'जनता दर्शन' में पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता और स्थानांतरण से जुड़े मामले भी आए। सीएम योगी ने पीड़ितों के प्रार्थना पत्र लेते हुए कहा कि जमीनी विवाद में सभी पक्षों को सुनकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता के मामले पर सीएम ने मरीज के परिजनों से कहा कि आर्थिक सहायता के लिए आवेदन करते हुए अस्पताल से एस्टीमेट बनवा लीजिए। सरकार हर तबके की मदद के लिए तत्पर है। आप मरीज की देखभाल कीजिए, इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए, सरकार पूरी मदद करेगी। धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। वहीं जनता दर्शन को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''लोकहित एवं सुशासन के प्रति दृढ़ संकल्पित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' में आए लोगों की समस्याएं सुनीं।

बीआरएस के विधायकों ने शुल्क प्रतिपूर्ति फंड जारी करने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

हैदराबाद । भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने तेलंगाना विधानसभा के पास विरोध प्रदर्शन किया और शुल्क प्रतिपूर्ति (फीस रिंबर्समेंट) फंड को तुरंत जारी करने की मांग की। दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीआरएस के विधायक और विधान पार्षद गन पार्क पर एकत्र हुए और तख्तियां दिखाते हुए, मुख्य विपक्षी दल के विधायकों ने सरकार से लंबित फीस प्रतिपूर्ति फंड तुरंत जारी करने की मांग की। विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदन चारी ने मीडिया से कहा कि तेलंगाना सरकार कथित रूप से छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है, जैसे वह समाज के अन्य वर्गों के साथ कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि फीस प्रतिपूर्ति फंड समय पर जारी न होने के कारण कई छात्रों को पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने कहा, 'हम लंबित फीस प्रतिपूर्ति के ?12,000 करोड़ तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।' मधुसूदन चारी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के छात्रों के कल्याण को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने दावा किया कि के चंद्रशेखर राव ने वाईएस राजशेखर रेड्डी द्वारा शुरू की गई फीस प्रतिपूर्ति योजना को जारी रखा था। उन्होंने कहा, 'जहां केसीआर ने छात्रों के लिए सुनहरा रास्ता बनाया, वहीं मौजूदा सरकार गरीब छात्रों की पहुंच से शिक्षा को दूर कर रही है। हम मांग करते हैं कि फीस प्रतिपूर्ति फंड तुरंत और समय पर जारी किया जाए।' इसके बाद बीआरएस विधायक प्लेकार्ड लेकर विधानसभा भवन की ओर मार्च करने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया और प्लेकार्ड बाहर छोड़ने को कहा। जब विधायकों ने प्लेकार्ड अंदर ले जाने पर जोर दिया, तो मार्शलों ने उनसे प्लेकार्ड छीन लिए।

वाराणसी एयरपोर्ट पर विदेशी यात्री के बैग से बारहसिंगा हिरण की सींग बरामद, यात्री से गहन पूछताछ

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार दोपहर एक विदेशी यात्री के बैग से बारहसिंगा हिरण की सींग बरामद हुई। विदेशी यात्री ने अपने बैग में सींग को छिपा कर रखा था।

सुरक्षा एजेंसियों के अफसर विदेशी यात्री को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ में जुट गए हैं। फूलपुर पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। यात्री से पूछताछ में वन विभाग के अफसर भी शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार रूस का नागरिक नागरिक दमित्री ब्रेकिन वाराणसी में भ्रमण के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान आई एक्स 215 से बैंकाक जाने के लिए दोपहर में बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। एयरपोर्ट के एप्रन पर जाने के पूर्व यात्री की नियमित सुरक्षा जांच में सीआईएसएफ कर्मियों को संदेह हुआ। इस पर सुरक्षा कर्मियों ने एक्स-रे स्कैनिंग से जांच की तो बैग में बारहसिंगा

की सींग मिली। यह देख सुरक्षाकर्मियों ने अफसरों को मामले की जानकारी देने के साथ यात्री को रोक कर हिरासत में ले लिया। सीआईएसएफ ने इसकी सूचना पुलिस और वन विभाग को भी दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बरामद सींग को अपने कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में मामला वन्यजीव तस्करी से जुड़ा माना जा रहा है। भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत बारहसिंगा हिरण जैसे संरक्षित वन्यजीवों के अंगों का परिवहन और व्यापार प्रतिबंधित है। वन विभाग के अफसरों के अनुसार विभाग मामले की गहन जांच कर रही है।

अविभाजित मप्र के दौरान हुए करोड़ों के आवास ऋण घोटाले में दो आरोपित 25 मार्च तक न्यायिक रिमांड पर

एजेंसी

रायपुर। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) और एसीबी ने 26 साल पुराने गृह निर्माण ऋण गबन प्रकरण में 'आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर' के तत्कालीन अध्यक्ष थावर दास माधवानी और 'सहकारी आवास संघ मर्यादित रायपुर के तत्कालीन आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 18 मार्च 2026 को हुई है। गिरफ्तार आरोपितों को 25 मार्च 2026 तक पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है।

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार जांच में पाया गया कि वर्ष 1995 से 1998 के दौरान आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर के तत्कालीन अध्यक्ष आरोपित थावरदास माधवानी ने अपनी समिति के 186 सदस्यों के नाम पर 1-1 लाख रुपये, कुल 1 करोड़ 86 लाख रुपये का गृह निर्माण ऋण मध्यप्रदेश सहकारी आवास संघ मर्यादित, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर से प्राप्त किया गया। ऋण अभिलेखों में गृह निर्माण स्थल ग्राम रायपुरा एवं पंडरीकांचा दर्शाया गया था। शिकायत प्राप्त होने पर उक्त प्रकरण का सत्यापन कराया गया, किन्तु सत्यापन में भी गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर निर्माण कार्य पूर्ण होना बताया गया। बाद में कराये गये भौतिक सत्यापन में उक्त स्थलों पर न तो कोई मकान निर्मित पाया गया और न ही ऋण प्राप्त करने वाले व्यक्ति वहां उपलब्ध मिले। जांच में कूटरचित दस्तावेजों, फर्जी प्रमाण पत्रों तथा आपराधिक षड्यंत्र के माध्यम से ऋण राशि के गबन किये जाने के तथ्य सामने आये। प्रकरण के अन्य दो नामजद आरोपितों की मृत्यु हो चुकी है। प्रकरण में धारा 120बी, 406, 409, 420, 467, 468, 471 भादवि तथा धारा 13

(1) (सी), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराध दर्ज है। गिरफ्तार आरोपितों को 25 मार्च 2026 तक पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपितों को पूर्व में कई बार नोटिस तामील करने का प्रयास किया गया, किन्तु वे अपने पते पर नहीं मिले तथा छिपकर रह रहे थे। ब्यूरो ने पुराने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से पुनः परीक्षण में लेकर उनमें आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। आरोपित की गिरफ्तारी के बाद अविभाजित मध्य प्रदेश के दौरान हुए एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है।

पटना में 'बिहार स्पोर्ट्स कॉनक्लेव-2026' का आयोजन, ओलंपिक-2036 के इवेंट कराने की उठी मांग

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित बिहार स्पोर्ट्स कॉनक्लेव 2026 में खेल विकास को लेकर बड़े विजन की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह की उपस्थिति रही। इस दौरान बिहार को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बातें सामने आईं। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने अपने संबोधन में बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार प्रतिभाओं की धरती है, जहां खेलों के प्रति स्वाभाविक उत्साह मौजूद है। उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि बच्चों को शुरुआती स्तर से ही खेलों की ओर प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें खेल विज्ञान (स्पोर्ट्स साइंस) से जोड़ा जाए, ताकि वे पेशेवर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में खेलों को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान और छोटे स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय युवाओं को बेहतर अवसर मिल सकें। इस मॉडल को केंद्र सरकार ने भी अपनाया है, जिससे देशभर में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

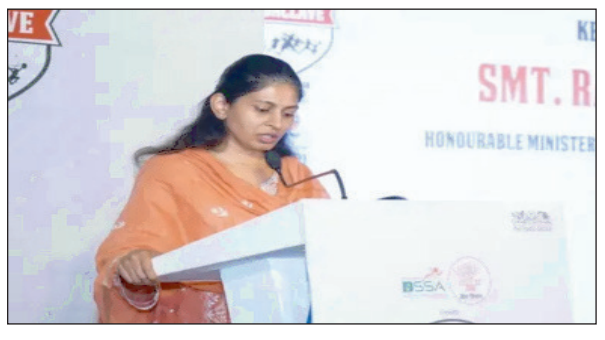

रक्षा खडसे ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के सहयोग से खेलों के समग्र विकास पर काम कर रही है। खेलो इंडिया मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से देश में मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बड़े खेल आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों को मंच मिलता है, बल्कि स्पोर्ट्स टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने स्वागत भाषण के दौरान राज्य में खेलों के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि राज्य में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम हुआ है। कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम भी तैयार किए गए हैं। श्रेयसी सिंह ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि यदि भारत को ओलंपिक खेल 2036 की मेजबानी मिलती है, तो बिहार में भी एक या दो खेलों का आयोजन कराया जाना चाहिए। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स के कुछ इवेंट भी राज्य में आयोजित किए जाने चाहिए।

वाहन ने टहलने निकले दंपति को मारी टक्कर, दोनों की मौत

एजेंसी

बेगूसराय । बिहार के बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में सोमवार को एक वाहन ने एक दंपति को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों की ही मौत हो गई। पति और पत्नी सुबह टहलने निकले थे। जिस वाहन ने टक्कर मारी है, उस पर पुलिस का स्टीकर चिपका हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, यह मामला साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के एनएच 333 बी का है। बताया जाता है कि श्रीनगर वार्ड नंबर 10 के रहने वाले नथुनी यादव (55) अपनी पत्नी इंदु देवी (52) के साथ अन्य दिनों की तरह सोमवार को टहलने निकले थे। इसी क्रम में एनएच 333 बी के श्रीनगर मोहनपुर गांव के पास पीछे से आ रहे एक एसयूवी वाहन ने दंपति को ठोकर मार दी। बताया जाता है कि घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। आसपास के लोगों का कहना है कि एसयूवी वाहन की गति तेज थी और अनियंत्रित होकर दंपति को ठोकर मार दी। कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद कार पर सवार सभी लोग फरार हो गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल साहेबपुर कमाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई।

साहेबपुर कमाल के थाना प्रभारी एन कुमार ने बताया कि पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर पुलिस का स्टीकर चिपका हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि यह वाहन किसी अधिकारी का होगा। थाना प्रभारी ने कहा कि वाहन किसका है, इसका पता लगाया जा रहा है। इधर, घटना के बाद आसपास के ग्रामीण आक्रोशित हो गए और सड़क पर उतरकर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि इस क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन इसे रोकने में नाकाम रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव: तमिलगा वाझ्वुरिमै काची ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन से तोड़ा नाता

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच तमिलगा वाझ्वुरिमै काची (टीवीके) ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) से अलग होने का ऐलान कर दिया है। इसकी घोषणा पार्टी प्रमुख वेलमुरुगन ने चेन्नई में प्रेस वार्ता के दौरान की। वेलमुरुगन ने बताया कि उनकी पार्टी 2019 के लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक द्रमुक गठबंधन का हिस्सा रही है और कई चुनावों में साथ मिलकर काम किया। इस बार भी द्रमुक के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत हुई, लेकिन पार्टी को केवल एक सीट देने का प्रस्ताव दिया गया, जबकि उन्होंने दो सीटों की मांग की थी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पहले चरण की बातचीत में ही अधिक सीटों की मांग रखी थी और हाल ही में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में भी स्पष्ट कर दिया गया था कि यदि अतिरिक्त सीटें नहीं मिलीं तो गठबंधन छोड़ दिया जाएगा। इसके बावजूद द्रमुक की ओर से कोई सकारात्मक

प्रतिक्रिया नहीं मिली।

वेलमुरुगन ने आरोप लगाया, 'हमारी 10 प्रमुख मांगों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। हमने विधानसभा के अंदर और बाहर कई मुद्दों पर संघर्ष किया, लेकिन हमारी बातों को महत्व नहीं दिया गया।' उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों के प्रभाव में द्रमुक ने उनकी पार्टी को गठबंधन से बाहर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, 'तमिलनाडु में अब अधिकारियों का ही शासन चल रहा है'। वेलमुरुगन ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब द्रमुक गठबंधन का हिस्सा नहीं रहेगी और न ही अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन में शामिल होगी।द्रमुक की नीतियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की बात करने वाली पार्टी जाति-आधारित जनगणना कराने से क्यों पीछे हट रही है। साथ ही वन्नियार समुदाय को 10.5 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा और पूछा कि आखिर किस दबाव में यह निर्णय लागू नहीं किया गया।

इसके अलावा, उन्होंने राज्य सरकार से सवाल किया कि तमिलनाडु जॉब्स ओनली एक्ट को लागू क्यों नहीं किया गया और तमिल शिक्षित युवाओं को नौकरियों में प्राथमिकता देने के लिए अब तक कानून क्यों नहीं बनाया गया।

वेलमुरुगन ने कहा कि उनकी पार्टी के लिए सीटों से ज्यादा उनकी 10 मांगें महत्वपूर्ण हैं और जो भी राजनीतिक दल इन मांगों को स्वीकार करेगा, उसके साथ बातचीत की जाएगी। सहयोगी संगठनों के साथ चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस घटनाक्रम के बाद तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन समीकरणों में बड़े बदलाव की संभावना बढ़ गई है और आगामी विधानसभा चुनाव का मुकाबला और अधिक रोचक होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वामी अड़गड़ानंद से लिया आशीर्वाद, बोले-संतों के मार्ग से ही मिलता है देवत्व

एजेंसी

मीरजापुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चुनार तहसील स्थित सक्तेशगढ़ आश्रम में स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद लेने के बाद कहा कि संतों का मार्ग ही मनुष्य को देवत्व तक पहुंचाता है। इसी सनातन चेतना के कारण आज विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति उभरकर सामने आई है। उन्होंने सनातन परंपरा को मानवता के लिए मार्गदर्शक बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद लिया और आश्रम में करीब एक घंटे से अधिक समय बिताया। इस दौरान वह सत्संग हाल में आयोजित सभा में शामिल हुए और संतों व श्रद्धालुओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री के आगमन से आश्रम परिसर में पूरे समय श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। सत्संग हाल में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मुझे अपने जीवन में संतों के मार्ग से जुड़ने का अवसर मिला। संतों के मार्ग से देवत्व की प्राप्ति कैसे होती है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण यहां दिखाई देता है। यह ईश्वर की लीला है, जो हमारी सनातन संस्कृति के लिए प्रेरणा, आशीर्वाद और विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ करती

है। उन्होंने कहा कि स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से आशीर्वाद लेकर वह संकल्पित हैं कि आने वाले समय में संतों की सेवा के साथ-साथ सभी भक्तों, श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों के लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संकल्पित हैं कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए जितनी अच्छी व्यवस्था हो सकती है, वह की जाए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में धार्मिक पर्यटन को लेकर भी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े स्थलों को धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है। उनका कहना था कि आस्था से जुड़े स्थलों को सुविधाओं, व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर मजबूत किया जा रहा है, ताकि देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सके। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नगरीय निकायों, नगर पालिकाओं और नगर निगम क्षेत्रों में गीता भवन बनाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे गीता भवन बना रहे हैं, जहां सभागार हो, विचार-विमर्श की जगह हो, कंप्यूटर और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं हों, ताकि विद्यार्थी और समाज दोनों उसका लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई स्थानों पर काम शुरू भी हो चुका है।

स्वामी अड़गड़ानंद महाराज और सक्तेशगढ़ आश्रम से मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुराना आध्यात्मिक जुड़ाव माना जाता है। यही वजह है कि उनका यह दौरा राजनीतिक औपचारिकता से आगे बढ़कर श्रद्धा, संत सम्मान और गुरु-आशीर्वाद का प्रतीक बन गया। एक ओर उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया, तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं की सुविधा, संत सेवा और धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर अपनी सरकार का संकल्प भी सामने रखा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले महाकुंभ का भी उल्लेख किया।

महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने उज्जैन पहुंचकर किए महाकाल के दर्शन, सिंहस्थ के कार्यों को सराहा

एजेंसी

उज्जैन। महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे और विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के भोग आरती के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने उज्जैन में चल रहे सिंहस्थ के कार्यों की जमकर सराहना की। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन अपने परिवार के साथ उज्जैन पहुंचे। उन्होंने यहां सपत्नीक ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की भोग आरती में शामिल होकर दर्शन लाभ लिया। उन्होंने नंदी हाल से भगवान महाकाल के दर्शन कर नंदी जी का पूजन-अभिषेक किया। इसके बाद देहरी से भगवान को जल अर्पित कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से मंत्री गिरीश महाजन का स्वागत-सत्कार किया गया। दर्शन उपरांत मंत्री महाजन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उज्जैन आकर बहुत अच्छा लगा। बहुत दिनों से इच्छा हो रही थी, आज आरती में शामिल होने का भी सौभाग्य मिला। उन्होंने उज्जैन में सिंहस्थ के लिए चल रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यहां पर जो व्यवस्था की जा रही है, वह बहुत ही बढ़िया है। इसी तरह महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर में हम कोशिश

कर रहे हैं, लेकिन आप हमसे बहुत आगे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां भी आगामी कुंभ को लेकर व्यवस्थां की जा रही हैं। वर्ष 2027 में नासिक में 12 साल बाद कुंभ होने जा रहा है। पिछले कुंभ के समय भी मैं मंत्री था और उस समय भी अच्छे काम हुए थे। पिछले दो साल से हम लगातार काम कर रहे हैं। प्रयागराज में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए थे और नासिक में इस बार पिछले समय की तुलना में पांच गुना अधिक श्रद्धालु आने की उम्मीद है। इसलिए हम व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं, ताकि सुरक्षित कुंभ का आयोजन हो सके।

धोनी ने चेपॉक के मैदान पर वर्ल्ड चैंपियंस को किया सम्मानित, सोशल मीडिया पर छाया ये लम्हा

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 से पहले चेपॉक स्टेडियम में हुए खास इवेंट में एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जहां फैंस को शानदार माहौल और यादगार पल देखने को मिले।

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने फैंस के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम ने मीट एंड ग्रीट इवेंट रखा, जहां मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ कई पूर्व दिग्गज भी मौजूद रहे।

धोनी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खास तौर पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने हाल ही में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पल फैंस के लिए बेहद खास और यादगार रहा।

सैमसन, दुबे और म्हात्रे का सम्मान

सीएसके के तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। धोनी ने चेपॉक के मैदान पर इन तीनों को सम्मानित किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

'रोर 2026' में दिखा दिग्गजों का जमावड़ा

सीएसके ने इस मौके पर 'रोर 2026' नाम से एक भव्य इवेंट भी आयोजित किया। इसमें टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें अंबाती रायडू, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, लक्ष्मीपति बालाजी और मुथैया मुरलीधरन शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर पुराने यादगार पलों को ताजा किया और हल्के-फुल्के अंदाज में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

आईपीएल 2025 का खराब प्रदर्शन

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही। यह प्रदर्शन टीम और फैंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने की कोशिश करेगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सीएसके इस सीजन में कैसा प्रदर्शन करती है और क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाती है।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई (एजेंसी)। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में ÷चिन्ना थाला÷ के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 2014 चैंपियंस लीग टी20 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबा हेडन ने साल 2008 से 2010 तक सीएसके की ओर से खेलते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हेडन साल 2009 में सीएसक की ओर से औरेंज कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने 572 रन बनाए थे। उन्होंने सीएसके की ओर से कुल 1,117 रन बनाए और 8 अर्धशतक लगाए। वह 2010 में आईपीएल जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। 'रोर 26' इवेंट इस समारोह में मुथेया मुरलीधरन , अंबाति रायडू सहित पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए।

मुझे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पसंद नहीं है, आईपील2026 से पहले अक्षर पटेल ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम 10 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडरों की भूमिका को कम कर देता है, जिसका 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को 2023 में लागू किया गया था जो सभी 10 IPL टीमों को मैच की किसी भी पारी में एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति देता है। अक्षर ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर को चुनते थे। लेकिन इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या ज़रूरत है?' क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। हालांकि, व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मुझे यह नियम पसंद नहीं है।' DC अपना IPL 2026 अभियान एक अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरू करेगा। यह पहली बार नहीं है जब अक्षर ने इस नियम के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की है। 2024 में छह के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर ने कहा था कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से उनकी बल्लेबाजी की पोजिशन प्रभावित हुई थी। IPL करियर में 7.3 की इकॉनमी रेट होने के बावजूद अक्षर का पिछला साल गेंदबाज़ी के लिहाज़ से सबसे कमज़ोर रहा - 2019 में DC में शामिल होने के बाद से यह उनका सबसे खराब सीजन था। उन्होंने 11 पारियों में 8.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और सिर्फ 5 विकेट लिए। उन्होंने साफ किया कि पिछले साल गेंदबाजी में उनका खराब प्रदर्शन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से नहीं, बल्कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सफल अभियान के दौरान लगी उंगली की चोट की वजह से था।

भारत की स्टार क्रिकेटर को मिला फरवरी महीने की 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है। अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है।

तेज गेंदबाज अरुंधति ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज्यादा मायने रखता है। अइस सीरीज जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। हमारी टीम काफी संतुलित है। और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नजरें टिकी होंगी।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी। इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार भी मिला था।

28 साल की इस गेंदबाज ने अगले दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कैनबरा में 30 रन देकर 2 विकेट और एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मैच में 35 रन देकर दो विकेट लिए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत में रेड्डी के योगदान की भूमिका निर्णायक रही। भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। जो 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत थी।

एलएसजी खिलाड़ियों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने शनिवार सुबह राम मंदिर अयोध्या पहुंच कर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच भारत अरुण और टीम के कप्तान रिषभ पंत समेत कई खिलाड़ियों ने विधिवत पूजा की। टीम के अन्य खिलाड़ियों में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, अक्षत रघुवंशी, प्रिंस यादव, अर्शीन कुलकर्णी, नमन तिवारी और मुकुल चौधरी भी मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के चरणों में नमन कर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। डॉ. गोयनका ने कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद मिलने से सभी कार्य सफल होते हैं और सभी ने उनकी शरण में आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को प्रसाद तथा रामनामी अंगवस्त्र भेंट किए गए और राम दरबार के दर्शन भी कराए गए। मंदिर परिसर में रिषभ पंत और अन्य खिलाड़ियों को देखकर प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला और लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली। इस बीच, टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों ने ईद का त्योहार भी आपसी सौहार्द के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मोहम्मद शमी,मोहसिन खान,आवेश खान,शाहबाज अहमद और अब्दुल समद सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विशेष व्यंजनों का आनंद लिया।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, 'प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।'

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब, फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं।

काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया।

पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, ÷यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमें यह प्रतियोगिता पसंद है और इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्सेनल को हराकर इसे जीतना वाकई खास है।

मैनचेस्टर सिटी अब एक इंटरनेशनल ब्रेक पर होगी। टीम अब अपना अगला मुकाबला 4 अप्रैल को एफए कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगी। गार्डियोला की टीम अगले हफ्ते चेल्सी में होने वाले प्रीमियर लीग पर ध्यान देगी। मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग टाइटल की दौड़ में बनी हुई है। गार्डियोला की टीम अभी टॉप पर काबिज आर्सेनल से 9 प्वाइंट पीछे है और उन्हें अभी एक मुकाबला खेलना है।

इंग्लैंड टीम में एजे की जगह न्यूकैसल के बार्न्स शामिल

लंदन। न्यूकैसल के विंगर हार्वे बार्न्स को थॉमस टुचेल की इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने घायल आर्सेनल मिडफील्डर एबेरेची एजे की जगह ली है। एजे रविवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ काराबाओ कप फाइनल में आर्सेनल की 2-0 से हुई हार वाली टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। बार्न्स को इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में टीम में बुलाया गया था। उस समय उन्होंने वेल्स के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र मैच खेला था। स्कॉटलैंड ने बार्न्स को अपनी अंतरराष्ट्रीय निष्ठा बदलने और इस गर्मी में होने वाले विश्व कप में स्टीव क्लाक की टीम के लिए खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। 28 वर्षीय बार्न्स अपने दादा-दादी के कारण स्कॉटलैंड की ओर से खेलने के योग्य थे। लेकिन बार्न्स ने स्कॉटलैंड के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब उन्हें उरुग्वे और जापान के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैचों के लिए टुचेल की टीम में बुलाया गया है। इन मैचों में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जो टीम में अपनी नियमित जगह बनाने की दौड़ में हैं। 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) का मुकाबला 27 मार्च को उरुग्वे और 31 मार्च को जापान से होगा। ये दोनों मैच वेम्बली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बार्न्स ने इस सीजन में न्यूकैसल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 14 गोल किए हैं।

विराट ने आईपीएल से पहले आरसीबी को किया सावधान, सभी टीमें हमें हराना चाहेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इस बार का सत्र पहले से कठिन होगा। इसलिए टीम के सभी खिलाड़ियों को और अधिक गंभीरत से खेलना होगा। विराट ने कहा कि इस बार सभी टीमें आरसीबी को हराने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी क्योंकि वह मौजूदा चैम्पियन है। ऐसे में सभी टीमें हमारे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी के शेयर किए गए एक वीडियो में विराट टीम के खिलाड़ियों से बात करने के दौरान उन्हें उत्साहित करते दिखे। उन्होंने कहा कि पिछले 2 से 3 सत्र में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत के कारण उन्हें पिछले सत्र में खिताबी जीत मिली थी।

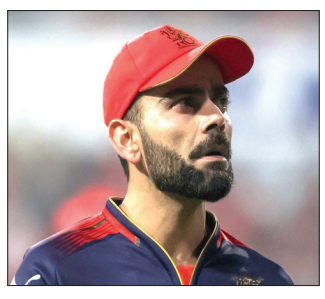

विराट ने खिलाड़ियों से कहा कि इस बार चुनौती और बड़ी होगी, इसलिए शुरुआत से ही पूरी ताकत से खेलना होगा। कोहली ने कहा, हमने पिछले 2-3 साल में जो हासिल किया, उसके लिए बहुत मेहनत की पर अब चुनौती और कठिन होने वाली है क्योंकि बाकी टीमें हमें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। हमें अभी से स्विच ऑन होना होगा और हर सेशन में आना सौ फीसदी से अधिक देना होगा।

RCB ने साल 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। तब उसने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। अब टीम IPL 2026 में अपने खिताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगी। टीम के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि इस बार नीलामी में टीम ने काफी अच्छे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिससे टीम पहले से ज्यादा बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि नए खिलाड़ियों को टीम के माहौल में ढालना और सीनियर खिलाड़ियों के साथ सही तालमेल बनाना इस सत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। गौरतलब है कि विराट आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने आईपीएल में 267 मैचों में 8661 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल में अब विराट कोहली इस सत्र मे भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही नये रिकार्ड अपने नाम करना चाहेंगे।

आरसीबी को शुरुआती मैचों में हेजलवुड की कमी खलेगी : श्रीकांत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 में शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। इसका कारण है कि पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण हेजलवुड शुरु के मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी के लिए हेजलवुड की कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। श्रीकांत ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड ने पिछले सत्र में 12 मैचों में 22 विकेट लिए थे। तब उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 4 विकेट था। यही वजह है कि श्रीकांत ने हेजलवुड के नहीं होने को आरसीबी के लिए करारा झटका माना है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर के बाद से ही पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वह एशेज सीरीज और टी20 विश्वकप भी नहीं खेल पाये। हैमस्ट्रिंग के बाद उनको एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने एक वीडियो में कहा, हेजलवुड का न होना एक बड़ा झटका है। अगर वह दो सप्ताह भी फिट नहीं होते, तो भी वे वहां तीन से चार मैच खेल लेते। उनके बिना, टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। उनका कोई भी विकल्प नहीं है। जैकब डफी भी खराब गेंदबाज नहीं है पर विश्व कप में वह विफल रहे थे। यह देखना होगा कि वह आईपीएल में चल पाते है या नहीं।उन्होंने साथ ही कहा, हेजलवुड के बिना आरसीबी की 25 फीसदी उम्मीद कम हो वह न सिर्फ गेम-चेंजर हैं, बल्कि मैच-विजेता भी हैं। वह जो डर पैदा करता हैं, वह बुमराह जैसा ही है। हेजलवुड उस शानदार टेस्ट मैच लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, जहां बल्लेबाज आगे या पीछे नहीं जा सकता।

धोनी के इस बार आईपीएल से संन्यास लेने की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 44 साल के हो गये हैं। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ती जा रही हैं। इस बार माना जा रहा है कि वह अंतिम बार लीग से खेलते दिखेंगे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह स्टेडियम में पहुंचे तो हर तरफ से 'थाला थाला' सुनाई देना लगा। उनकी आवाज सुनकर प्रशंसक भी भावुक दिखे। वहीं धोनी पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और डीजे ब्रावो के साथ नजर आये। इससे भी प्रशंसकों को लगा रहा है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल रहेगा।

प्रशंसक सीएसके के 'रोर 26' इवेंट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। कुछ सीएसके खिलाड़ियों ने मैदान पर अभ्यास किया, वहीं कुछ बातें करते दिखे। वहीं पहली बार टीम में शामिल जब नए खिलाड़ी संजू सैमसन जब मैदान में आए, तब भी जोरदार तालियां बज उठीं। धोनी आईपीएल में अपना 19वां सत्र खेलने जा रहे हैं। उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही पर सीएसके के लिए वह आज भी सबसे कीमती खिलाड़ी हैं हालांकि अब वह निचले स्तर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वहीं चेन्नई के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि धोनी का ये अंतिम आईपीएल रहेगा।

उथप्पा ने कहा, 'आईपीएल 2026 शायद उनका आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि इस साल वह मेंटर-कम-खिलाड़ी की भूमिका में रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वह इस बार नंबर सात पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगता है कि वह नंबर आठ पर बल्लेबाजी करेंगे। वह जानते हैं कि वह धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं, इसलिए अपनी को टीम से अलग कर रहे हैं ताकि उनके बिना भी टीम जीत सके। वह जानते हैं कि तभी कप्तान के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ की क्षमता का पता चल सकेगा।'

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डॉट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।''

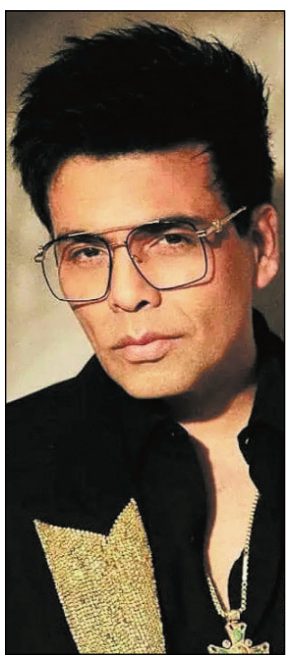

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।''

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'' इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।'

इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे।

तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती हैं, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

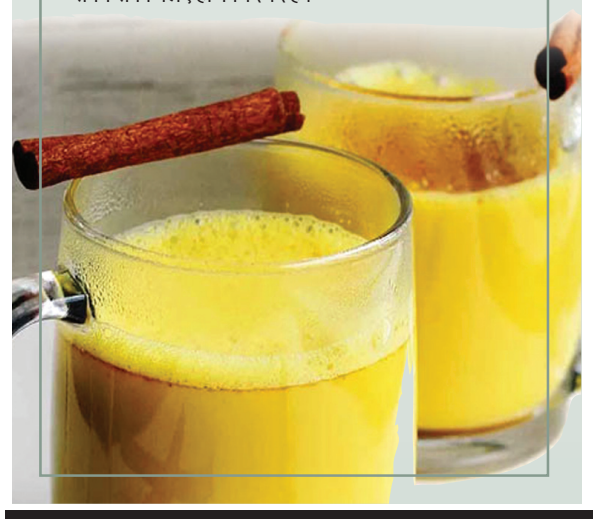

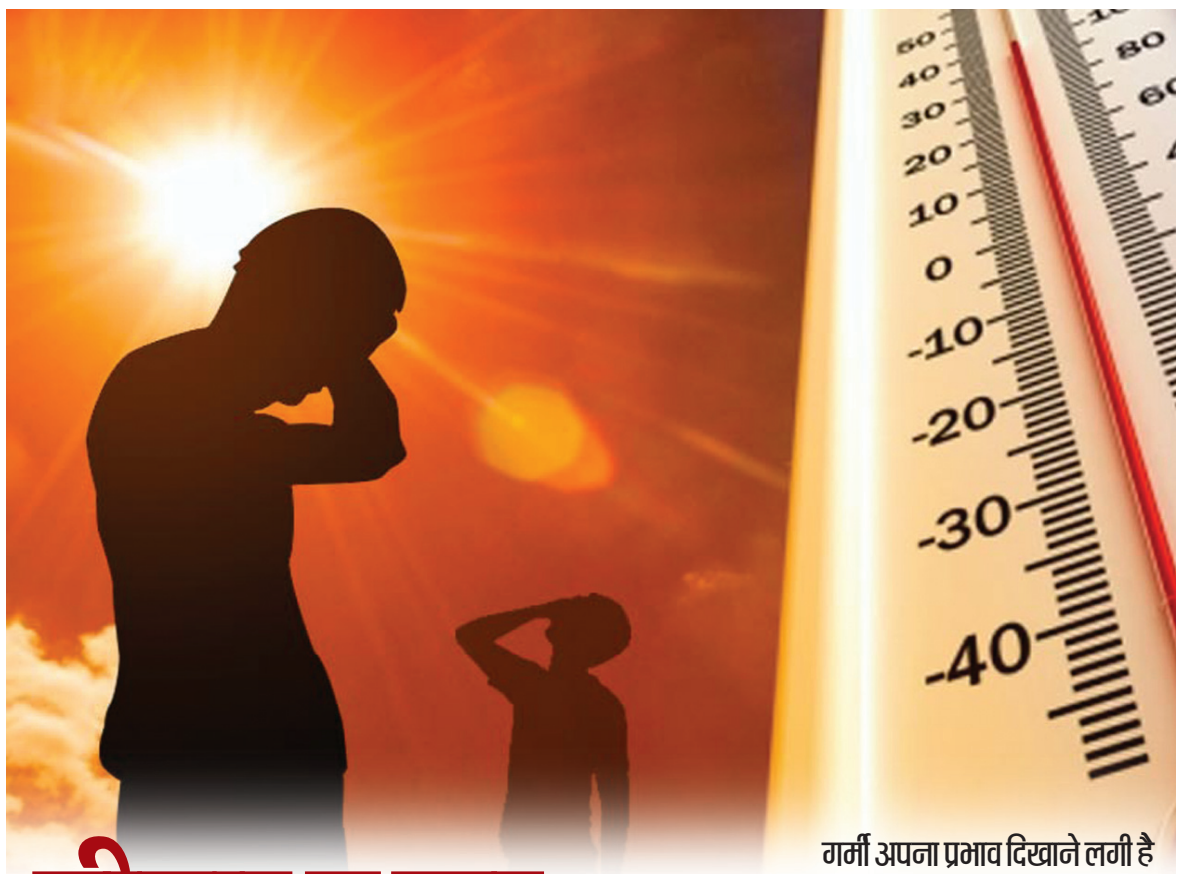

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है।

एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।